SV24NEWS
लखनऊ
प्रभात संस्करण
शुक्रवार 1 नवंबर 2024
वर्ष : 11 - अंक 139
पृष्ठ - 8 मूल्य : 2 रुपये
R.N.I.N0.:UPHIN/2015/61612

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सत्येन्द्र वाणी

हकीकत की जमीन पर एक और कदम

दीपावली की शुभकामनाएं!

लखनऊ और नागपुर से एक साथ प्रकाशित

3 दिवाली पर भारतीय बाजार...
4 बागियों को मनाने की हो रही है कोशिश...
6 डॉन ब्रैडमैन को फेल कर ...

आम जन के लिए सूचना

आम जन जिनके साथ अन्याय, किसी भी प्रकार की घटना दुर्घटना या किसी प्रकार परेशानी हो वह बिना किसी दबाव के न्यूज़ लिख कर सत्येंद्रवाणी के मनीष नगर कार्यालय में दे सकता है या ई मेल के द्वारा भी सुचना दे सकते है, satyendravanines@gmail.com पर दे सकते है।

महाराष्ट्र चुनाव: BJP ने बैकडोर से कैंडिडेट उतारकर चला डबल-गेम ?

2019 से भी ज्यादा सीटों पर लड़ रही चुनाव

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासी तस्वीर पांच साल में काफी बदल चुकी है और इस बार गठबंधन का स्वरूप भी बदल गया है. बीजेपी इस बार शिंदे की शिवसेना के साथ अजित पवार की एनसीपी सहित कई छोटी पार्टियों के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है. ऐसे में सूबे की 288 सीटों में से बीजेपी 148 सीट पर चुनाव लड़ रही है जबकि 2019 में 163 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे. इस लिहाज से यह जाहिर होता है कि बीजेपी पिछले चुनाव के मुकाबले 15 सीटों पर कम चुनाव लड़ रही, लेकिन बैकडोर से बीजेपी ने ऐसा डबल गेम चला है, जिसके चलते पिछली बार से कम नहीं बल्कि ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ रही है.

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नामांकन दाखिल किए जाने की मियाद खत्म होने के साथ बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने शामिल दलों के साथ सीट शेयरिंग का फॉर्मूला साफ हो गया कि कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ रहा है. बीजेपी 148 सीट पर चुनावी मैदान में उतरी है तो उसकी सहयोगी शिंदे की शिवसेना 85 सीट तो अजित पवार की एनसीपी 51 सीट पर किस्मत आजमा रही है. इसके अलावा चार सीटों गठबंधन के छोटे सहयोगी दलों को मिली है, जिसे बीजेपी ने अपने कोटे से ही दिया है. बीजेपी एक नया ट्रेंड चल रही है. बीजेपी ने सहयोगी दलों को सीट देकर सम्मान भी रखा और सहयोगी दलों की उन सीटों पर अपने नेताओं की उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतार रही है. इस तरह बीजेपी एक तरफ सहयोगी दल को उनके मन के मुताबिक सीटें देकर साध रही है तो दूसरी तरफ अपने नेताओं को उनके सिंबल पर चुनाव लड़ाकर अपने नेताओं के साथ भी बैलेंस बनाकर चल रही है. इस तरह बीजेपी डबल गेम चल कर महाराष्ट्र की चुनावी जंग जीतने का प्लान बनाया है. इसी कड़ी में अपने 16 नेताओं को सहयोगी दल के सिंबल पर चुनाव लड़ाया.

बीजेपी ने चुनाव में चला डबल सियासी गेम

2019 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने संयुक्त शिवसेना के साथ मिलकर चुनाव लड़ी थी. बीजेपी ने 164 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे और 124 सीट पर शिवसेना चुनाव लड़ी थी. इस बार बीजेपी ने 148 सीट पर ही कैंडिडेट उतारे हैं. इस तरह यह बता चलता है कि बीजेपी पिछले चुनाव से 15 सीटों पर कम चुनाव लड़ रही है, लेकिन उसने में अपने 16 नेताओं को शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी से जो उतारा है. इस तरह बीजेपी ने बैकडोर से अपने 16 नेताओं को चुनाव में उतरा है. इस तरह बीजेपी 2024 में 164 सीट पर किस्मत आजमा रही है.

बीसीएएस ने जारी किए नए दिशा-निर्देश

नई दिल्ली। भारतीय फ्लाइट्स में बम होने की धमकी की गंभीरता का आकलन करने के लिए नागरिक उड्डयन ब्यूरो (बीसीएएस) ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिससे सुरक्षित हवाई यात्रा में सुधार किया जा सके. अब सोशल मीडिया पर धमकी देने वाले का नाम जियोपोलिटिक्स स्थिति और विमान में वीआईपी उपस्थिति का भी आकलन करने आदि का भी ध्यान रखा जाएगा. नागरिक उड्डयन ब्यूरो (बीसीएएस) ने नागरिक उड्डयन सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के लिए हाल के वक्त में पैदा हुई स्थिति को ध्यान में रखते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं. ये निर्देश विशेष रूप से कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के जरिए मिली फर्जी बम धमकियां जारी रहने के मामले में जारी की गई हैं. नए दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि एक बहुस्तीय समिति सोशल मीडिया पर दी गई धमकी की विश्वसनीयता और गंभीरता का आकलन करेगी. समिति खतरों का विश्लेषण करेगी और देखेगी कि क्या धमकी देने वाला व्यक्ति किसी आतंकवादी संगठन से जुड़ा है या नहीं.

एक साथ दो कीर्तिमानों की साक्षी बनी रामनगरी

राम मंदिर में 25 लाख दीयों का अद्भुत नजारा

अयोध्या।

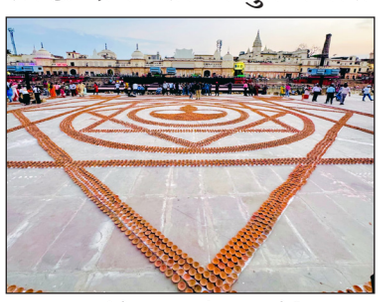

अयोध्या में पांच सौ वर्षों बाद दिवाली के दिन रामलला अपने मंदिर में हैं। अयोध्या में बुधवार को भव्य दिवाली मनाई गई. अयोध्या में 28 लाख दीये जलाकर विश्व रिकॉर्ड रच दिया गया। अयोध्या का नाम एक बार फिर से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है। खास बात है कि इस बार अयोध्या में एक नहीं बल्कि दो वर्ल्ड रिकॉर्ड रचे गए हैं। अयोध्या में बुधवार को 1100 से अधिक वेदाचार्यों ने मिलकर मंगलवार को सरयू आरती की। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और केंद्रीय संस्कृति गजेंद्र सिंह शेखावत कार्यक्रम में शामिल हुए। उत्तर प्रदेश के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अयोध्या में इस बार राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहला दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ। उन्होंने बताया कि 55 घाटों पर 28 लाख दीये जलाए गए। 30,000 से अधिक स्वयंसेवकों ने इसके लिए मेहनत की. गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम ने दीपोत्सव समारोह की निगरानी की। इस बार हमने दो विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं, पहला- 1100 से अधिक साधुओं का साथ मिलकर आरती करना और एक साथ 28 लाख दीये जलाना। कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था एकदम पुख्ता थी। अंडरकवर अधिकारियों के साथ-साथ 10 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात थे।

सलमान को फिर जान से मारने की धमकी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से कथित तौर पर दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी और न देने पर उन्हें मार डालने की धमकी दी गई थी। जिसके बाद मुंबई पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। अब मुंबई पुलिस ने सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने और उनसे दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में एक व्यक्ति को मुंबई के बांद्रा इलाके से गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुंबई यातायात पुलिस को मंगलवार को एक गुमनाम संदेश मिला, जिसमें धमकी दी गई है कि अगर अभिनेता ने दो करोड़ रुपये नहीं दिए तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा।

भारत के खिलाफ कनाडा की साजिश!

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ कनाडा बड़ी साजिश करता नजर आ रहा है। खबर है कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो सरकार के दो बड़े अधिकारियों ने भारत के खिलाफ जानकारी लीक करने की बात कबूल की है। फिलहाल, इसे लेकर भारत सरकार की ओर से इसे लेकर कुछ नहीं कहा गया है। खबर है कि अमेरिकी अखबार को

जानकारी लीक करने को लेकर संसदीय पैनल ने अधिकारियों को कड़ी फटकार भी लगाई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारियों ने कबूल किया है कि कनाडा पुलिस की तरफ से भारत सरकार पर सवाल उठाए जाने के पहले ही उन्होंने जानकारी अंग्रेजी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट को लीक कर दी थी। कनाडा की पुलिस ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के तार भारत सरकार के एजेंट्स से जोड़े थे। हालांकि, भारत ने तमाम आरोपों का खंडन किया था। खबरें हैं कि ट्रूडो सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नथाली ड्रुइन ने संसदीय पैनल को बताया है कि कनाडा में सिख अलगाववादियों के खिलाफ हमलों में भारत सरकार के एक शीर्ष अधिकारी का हाथा था। उन्होंने कहा कि उन्हें जानकारी लीक करने के लिए ट्रूडो की अनुमति की जरूरत नहीं थी। साथ ही यह भी कहा कि भारत की तरफ से राजनयिकों को वापस बुलाने के पहले कोई गोपनीय जानकारी अखबार को नहीं दी गई थी।

औद्योगिक सर्वेक्षण के नतीजे: मैन्युफैक्चरिंग में लचीलापन

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने हाल ही में वर्ष 2022-23 के लिए उद्योगों के सालाना सर्वेक्षण के नतीजे जारी किए। उल्लेखनीय यह है कि वित्त वर्ष 23 में भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी के दौरान वृद्धि में आई भारी गिरावट से उबर ही रही थी। बहरहाल ये नतीजे दिखाते हैं कि कच्चे माल के इस्तेमाल, उत्पादन और मुनाफे के मामले में भारतीय विनिर्माण काफी लचीला है।

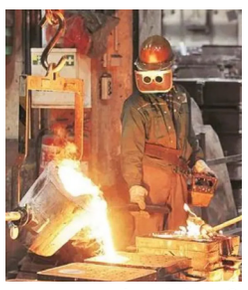

इस सर्वेक्षण में पूरे देश को शामिल किया जाता है और यह देश में औद्योगिक आंकड़ों का प्राथमिक स्रोत है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में 17 फीसदी का योगदान देने वाले विनिर्माण क्षेत्र ने समीक्षा अवधि में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन इसका अपेक्षाकृत कम आकार और केंद्रीकरण चिंता का विषय है।

वित्त वर्ष 23 में विनिर्माण क्षेत्र के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) की बात करें तो वर्तमान मूल्य पर यह पिछले साल की तुलना में करीब 7.3 फीसदी बढ़ा। औद्योगिक उत्पादन में भी 21.45 फीसदी की तेज वृद्धि दर्ज की गई। यह बात भी ध्यान देने लायक है कि वित्त वर्ष 20 और 21 में उत्पादन में भारी गिरावट आई थी, उसके बाद वित्त वर्ष 22 और 23 में इसने अच्छी वापसी भी की।

इसके अलावा तयशुदा और निवेशित पूंजी में आलोच्य अवधि में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। रोजगार में सालाना आधार पर 7.43 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली। इस क्षेत्र में प्रति व्यक्ति औसत क्षतिपूर्ति में भी इजाफा हुआ। इसी प्रकार महामारी के पहले वाले वर्ष यानी 2018-19 की तुलना में प्रति व्यक्ति जीवीए में 26 फीसदी का इजाफा हुआ। इससे संकेत मिलता है कि विनिर्माण के क्षेत्र में श्रम की उत्पादकता में इजाफा हुआ। इसी पांच वर्ष की अवधि में औसत वेतन में 22 फीसदी का इजाफा हुआ।

वित्त वर्ष 23 में विनिर्माण क्षेत्र के विशुद्ध मूल्य वर्धन (एनवीए) के अनुपात के रूप में मुनाफे का हिस्सा महामारी के पहले के वर्षों यानी 2018-19 और 2019-20 की तुलना में अधिक रहा जबकि इसी अवधि में कर्मचारियों को दिए गए वेतन-भत्तों का हिस्सा महामारी के पहले के स्तर से कम रहा। यह साल दर साल आधार पर एनवीए में लाभ के हिस्से में कमी और वित्त वर्ष 22 की तुलना में वित्त वर्ष 23 में वेतन और भत्तों की हिस्सेदारी में इजाफे के बावजूद हुआ। स्पष्ट है कि देश में विनिर्माण समय के साथ पूंजी के गहन इस्तेमाल वाला होता जा रहा है।

औद्योगिक गतिविधि भी भौगोलिक रूप से कुछ खास इलाकों में और कुछ खास उत्पाद श्रेणियों में सीमित रही है। वार्षिक सर्वेक्षण के नतीजे दिखाते हैं कि केवल पांच राज्यों- महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश ने वित्त वर्ष 23 में विनिर्माण जीवीए में 54 फीसदी से अधिक का योगदान किया।

इसके अलावा आधारभूत धातुओं, रासायनिक उत्पाद उद्योगों, कोयला और रिफाइंड पेट्रोलियम, मोटर वाहन और खाद्य उत्पादों ने कुल मिलाकर विनिर्माण उत्पादन में 58 फीसदी का योगदान किया। रोजगार के मामले में महामारी के बाद के सुधार के बावजूद 2022-23 में विनिर्माण क्षेत्र में 1.8 करोड़ लोग ही रोजगारशुदा थे।

अकुशल और कम कुशल विनिर्माण में भारत ने निरंतर कमजोर प्रदर्शन किया। ऐसे में हम विनिर्माण के क्षेत्र में इतना अधिक योगदान नहीं जुटा सके कि लोगों को कृषि क्षेत्र से बाहर निकाल सकें। हमारी चिंता केवल रोजगार तैयार करने के बजाय यह होनी चाहिए कि हम किस तरह के रोजगार तैयार कर रहे हैं और उत्पादन का कितना हिस्सा कामगारों को आवंटित हो रहा है। श्रम आय की कीमत पर आर्थिक वृद्धि भारत जैसे श्रम की प्रचुरता वाले देश में टिकाऊ नहीं साबित होगी। कम कॉरपोरेट कर, एकल खिड़की मंजूरी और उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन जैसे सरकारी हस्तक्षेपों को सीमित सफलता मिल सकी है। ऐसे में भारत को हालात में निरंतर सुधार करना होगा ताकि वह निवेश आकर्षित कर सके और यह सुनिश्चित हो सके कि आने वाला निवेश चुनिंदा राज्यों या पूंजी गहन श्रेणियों में सीमित न रह जाए।

मनरेगा पर घटे निर्भरता

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MANREGA) लागू हुए करीब 18 वर्ष हो चुके हैं और विभिन्न अध्ययनों ने दिखाया है कि ग्रामीण आजीविका पर इसका प्रभाव कितना सकारात्मक रहा है। यह योजना महामारी के दौरान और समाज के सर्वाधिक संवेदनशील वर्गों को जरूरी सहायता प्रदान करने में विशेष तौर पर उपयोगी साबित हुई। मनरेगा पर एक बार फिर बहस शुरू हो गई है। यह बहस इस योजना के प्रदर्शन पर लिबटेक के हालिया विश्लेषण के बाद आरंभ हुई है.

जिसमें दिखाया गया है कि योजना के तहत रोजगार में 2023-24 की पहली छमाही से 2024-25 की पहली छमाही के बीच 16 प्रतिशत से भी अधिक कमी आई।

इस योजना में भागीदारी करने वाले कामगारों की संख्या भी पिछले वर्ष के मुकाबले 8 प्रतिशत कम हो गई और इस दरम्यान पंजीकृत कामगारों की सूची में 39 लाख नामों की शुद्ध कमी आई।

रिपोर्ट में आधार पर आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं का भी जिक्र किया गया और बताया गया कि 24.7 प्रतिशत कामगारों को एबीपीएस के जरिये मजदूरी नहीं मिल पा रही है।

किंतु ग्रामीण विकास मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि योजना के अंतर्गत कामगारों के काम के कुल दिनों का सटीक लक्ष्य तय नहीं किया जा सकता क्योंकि यह योजना मांग पर चलती है और चालू वित्त वर्ष अब भी चल रहा है। उसने यह भी कहा है कि 2006-07 से 2013-14 तक केवल 1,660 करोड़ कामगार दिवस सृजित हो सके, जबकि 2014-15 से 2024-25 तक 2,923 कामगार दिवस सृजित हुए।

इससे संकेत मिलता है कि पिछले दस वर्ष में बहुत अधिक रोजगार सृजन हुआ है। 99.3 प्रतिशत सक्रिय कामगारों के आधार को भी योजना से जोड़ दिया गया है, जिससे बहुत लाभार्थियों को भुगतान बेहतर तरीके से दिया जा रहा है और भुगतान में विलंब कम हुआ है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण में जारी आंकड़े बताते हैं कि जुलाई-सितंबर 2023 और अप्रैल-जून 2024 के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में अस्थायी कामगारों की औसत दैनिक मजदूरी आय 7.7 प्रतिशत बढ़ गई। इसका श्रेय सरकार द्वारा लक्षित अंतरण और मनरेगा जैसी योजनाओं को दिया जा सकता है। 2024-25 में न्यूनतम औसत अधिसूचित मजदूरी दर 7 प्रतिशत तक बढ़ाई गई।

2024-25 के बजट में इस योजना के लिए 86,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया, जो अभी तक का सर्वाधिक आवंटन है और पिछले वर्ष से 43.3 प्रतिशत अधिक है। किंतु यह 2023-24 में हुए वास्तविक खर्च से कम है। उस वित्त वर्ष में योजना के तहत 1.05 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। लेकिन चूंकि योजना मांग पर चलती है, इसलिए मांग के हिसाब से बाद में आवंटन बढ़ाया जा सकता है। निस्संदेह मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में आय तथा आजीविका बढ़ाने के लिए मजबूत कल्याणकारी माध्यम रही है। किंतु रोजगार तलाश रहे लोगों के लिए यह अंतिम विकल्प होनी चाहिए। पिछले कुछ महीनों में इसकी मांग घटी है मगर अब भी यह महामारी से पहले के स्तरों से अधिक है। आवंटन में लगातार इजाफे और अधिक भागीदारी से यही लगता है कि अर्थव्यवस्था पर्याप्त संख्या में लाभकारी रोजगार उत्पन्न नहीं कर रही है, जो नीति निर्माताओं के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। इस स्तंभ में पहले भी बताया गया है कि कृषि में लगे श्रमबल का अनुपात पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ गया है और घटकर महामारी से पहले के स्तर (2018-19 में 42.5 प्रतिशत) पर नहीं लौटा है।

वास्तव में 2018-19 का आंकड़ा भी ऊंचा था और श्रम बाजार में कमजोरी दर्शा रहा था। रोजगार गारंटी योजना ग्रामीण परिवारों को आवश्यक सुरक्षा तो प्रदान करती है किंतु वास्तविक बहस इस पर होनी चाहिए कि इतने अधिक परिवारों को इसकी जरूरत क्यों पड़ रही है और ऐसी योजनाओं पर निर्भरता हमेशा के लिए कम करने हेतु क्या किया जाना चाहिए। कम कौशल वाले विनिर्माण में बड़ी तादाद में नौकरियां सृजित करना ही स्पष्ट तौर पर इसका समाधान है ताकि कृषि क्षेत्र से दूसरे क्षेत्रों की ओर जाना आरंभ हो।

साइबर अपराधियों से सरकार ही निपटे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने नवीनतम रेडियो संबोधन में साइबर ठगी (cyber fraud) के बढ़ते खतरे के बारे में बात की। हाल के दिनों में साइबर अपराधियों ने कई लोगों को निशाना बनाया है और उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' कर धमकी दी है। वे साइबर ठगी करते समय पुलिस अधिकारी, प्रतिभूति बाजार नियामक या नारकोटिक्स आदि विभागों के सरकारी अधिकारी होने का दिखावा करते हैं। जिन लोगों को निशाना बनाया जाता है उनके बैंक खातों को खाली कर दिया जाता है और कुछ मामलों में उनके पैसे क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में स्थानांतरित कर दिए जाते हैं। जो लोग अपेक्षाकृत डिजिटली साक्षर हैं, वे भी इन अपराधियों के शिकार हो गए। ऐसे में यह बात स्वागतयोग्य है कि प्रधानमंत्री ने इन तौर तरीकों के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया। परंतु अभी इन खतरों से निपटने के लिए और कई कदम उठाने की आवश्यकता है। बैंकिंग नियामक आदि अपने स्तर पर ऐसे अपराध करने वाले अपराधियों को पकड़ पाने की क्षमता नहीं रखते। इनमें से कई तो भारत की सीमाओं से बाहर रहते हैं। दक्षिण पूर्वी एशिया के देश इनके खास अड्डे हैं। जरूरत इस बात की है कि राष्ट्रीय साइबर अपराध इकाइयों को क्षमतावान बनाया जा सके ताकि हर शिकायत पर ध्यान दिया जा सके। ऐसे अपराध रोकने और अपराधियों को उनके अंजाम तक पहुंचाने की बुनियादी जिम्मेदारी सरकार की है और वह इस दायित्व से बच नहीं सकती। आमतौर पर कुछ अधिकारियों के लिए विभिन्न प्रकार के डिजिटल जोखिमों के मामले में अपनी जवाबदेही से पल्ला झाड़ना बहुत आसान रहा है। इसका एक और उदाहरण है हाल ही में बम धमाकों की धमकी। दीवाली के पहले व्यस्त सीजन में इन धमकियों ने देश के विमानन क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया। महज चंद दिनों में विभिन्न उड़ानों के बारे में ऐसी 100 से अधिक धमकियां दी गईं। इससे हवाई अड्डों की सुरक्षा के जिम्मेदारों पर दबाव बढ़ा और कई हवाई अड्डों पर अफरातफरी की स्थिति बन गई। शिकागो के लिए उड़ान भर रही एयर इंडिया की एक उड़ान को आर्कटिक में अचानक उतरना पड़ा ताकि विमान की जांच की जा सके।

सक्रिय राजनीति में कितनी छाप छोड़ेंगी प्रियंका ?

जो लोग फुटबाल के शौकीन हैं, वे जानते हैं कि उसमेंपेनल्टी किक मिलने पर गोल होने की सम्भावना 99फीसदी होती है। इस लिहाज से देखें तो कांग्रेस नेताप्रियंका गांधी वाड्रा की वायनाड से उम्मीदवारी कानतीजा 99 फीसदी उनकी जीत में ही निकलने वाला है।

इसीलिए आज की राजनीति में उनका मौजूदा मुकामदेखते हुए जीत-हार के बारे में सवाल करने के बजायकुछ और ही पूछना चाहिए।कहावत है कि बंद मुट्ठी लाख की, खुल गई तो खाककी। लेकिन प्रियंका इस लोकसभा चुनाव में कुछबेहतरीन भाषण देकर दिखा चुकी हैं कि इस समय वेकांग्रेस की सर्वश्रेष्ठ वक्ता हैं।

कुछ प्रेक्षकों का तोआकलन है कि प्रियंका हिंदी पर अपने अधिकार, साफआवाज, वक्तृत्व कला की खूबियों और आकर्षकव्यक्तित्व के कारण सम्भवत: अपनी दादी, पिता औरभाई से अधिक प्रभावी भाषण देती हैं। पार्टी चुनाव प्रचारके दौरान उनकी क्षमताओं से लाभान्वित हो सकती है।हम अंदाजा लगा सकते हैं कि जब उनकी मुट्ठी खुलेगी,यानी जब उनका राजनीतिक करियर खिलेगा, उस समयउसमें खाक न होकर कुछ सार्थक उपलब्धियां निकलेंगी।

एक सांसद के रूप में अगर वे तथ्यों और आंकड़ों केसाथ सदन में खड़ी हों तो भाजपा सरकार के लिएसमस्या भी बन सकती हैं।तो क्या हमें यह मान लेना चाहिए कि राजनीति मेंउनकी भूमिका मुख्य तौर पर एक प्रचारक औरतर्क-वितर्क करने वाली सांसद की होने वाली है?

भारतीय राजनीति को तीन बड़े पहलुओं के आईने मेंदेखा जा सकता है। पहला है सांगठनिक काम। दूसरा है गठजोड़ रणनीति को लागू करना। और तीसरा है प्रचार-कार्य और जनसम्पर्क। यह तीसरा काम प्रियंका अपनी मां और भाई के निर्वाचन क्षेत्रों में 1990 केदशक से ही कर रही हैं। सांगठनिक और गठजोड़रणनीति का काम भी उनके हाथ में पिछले पांच सालसे है।

11 फरवरी 2019 को लखनऊ में एक रोड शोमें राहुल की मौजूदगी में वे राष्ट्रीय राजनीति में उतरीथीं। तब मुझे यह देख कर

ताज्जुब हुआ था कि प्रियंकापूरे रोड शो में मुस्कराते हुए हाथ हिलाकर कार्यकर्ताओंऔर जनता का अभिवादन तो करती रहीं, लेकिनउन्होंने एक शब्द भी नहीं बोला।

उस कार्यक्रम में राहुल गांधी ही बोले थे।बहरहाल, राष्ट्रीय राजनीति में कदम रखते ही प्रियंकाने यूपी में कांग्रेस के काम को बढ़ाने का गुरुतर दायित्वउठा लिया। इस मामले में उनकी हिम्मत की दाद देनी पड़ेगी, क्योंकि यहां उनकी सफलता की संभावनाएं बहुत कम थीं। हुआ वही, जिसका डर था। उनकी तमामकोशिशें बेकार गईं।

फिर 2022 के विधानसभा चुनाव में 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' जैसा आकर्षक लगने वालानारा भी काम नहीं आया। इसी दौरान उन्हें एक औरविकट विफलता का सामना करना पड़ा। यूपी में उनकी नाकामी नजरअंदाज की जा सकती थी, क्योंकि वहांकांग्रेस का संगठन और जनाधार कमजोर हुए एकजमाना बीत गया था।

प्रियंका के पास ऐसी कोई जादू कीछड़ी नहीं हो सकती थी कि यूपी में पार्टी का ग्राफअचानक ऊपर चढ़ने लगता।लेकिन उनकी दूसरी विफलता पंजाब में दिखाई पड़ी।एक ऐसे प्रांत में जहां उनकी पार्टी का संगठन मजबूतथा, वह सत्ता में थी और प्रमुख विपक्षी दल के रूप मेंअकाली पार्टी काफी अलोकप्रियता का सामना कर रही थी। पंजाब में उनके पास अपनी रणनीतिक औरसांगठनिक कुशलता दिखाने का पूरा मौका था। जैसा किहमें पता है कि प्रियंका गांधी ने तत्कालीन मुख्यमंत्रीअमरिंदर सिंह को हटाने का अभियान चलाया, औरउनकी जगह लेने के लिए नवजोत सिंह सिद्धू को चुना।बड़बोले और आत्मकेंद्रित सिद्धू ने प्रियंका से मिलीताकत का विनाशकारी इस्तेमाल किया।

विधानसभाचुनाव में कांग्रेस को बुरी मात खानी पड़ी। आम आदमीपार्टी की जीत में कई पहलुओं की भूमिका थी, परप्रियंका की गलतियों ने उसके लिए जो रास्ता साफकिया, उससे कोई इनकार नहीं कर सकता।जाहिर है कि अभी तक सांगठनिक और रणनीतिककाम की दोनों जिम्मेदारियों में अलग-अलग कारणों सेउन्हें बड़ी नाकामी का सामना करना पड़ा है।

वायनाड से जीतने के बाद होगा यह कि दक्षिण भारत में कांग्रेस केकामकाज की व्यावहारिक इंचार्ज प्रियंका गांधी ही होजाएंगी, भले ही उनका नाम इसके लिए औपचारिक रूपसे घोषित किया जाए या नहीं। आजकल यह जिम्मेदारीके.सी. वेणुगोपाल सम्भालते हैं। दक्षिण में प्रियंका गांधी को कर्नाटक और एक हद तकतेलंगाना छोड़कर न तो भाजपा से टकराना पड़ेगा, औरन ही आम आदमी पार्टी से। लेकिन इसका मतलब यहनहीं निकाला जा सकता कि उनका काम वहां आसानहोगा। दक्षिण की राजनीति की अपनी पेचीदगियां हैं। वहांउन्हें इंडिया गठबंधन के प्रभावशाली सहयोगियों(कम्युनिस्ट पार्टी और द्रविड़ मुनेत्र कषगम) के साथप्रतियोगिता और सहयोग की द्वंद्वात्मक राजनीति से गुजरनापड़ेगा। अगर कहीं भाजपा-तेलुगुदेशम के मिले-जुलेदबाव में वाईएसआर कांग्रेस ने भी इंडिया गठबंधन मेंआना स्वीकार कर लिया तो प्रियंका का काम और भीमुश्किल हो जाएगा।प्रियंका गांधी की मुट्ठी से दक्षिण की राजनीति के संदर्भमें क्या निकलेगा, यह देखने की बात होगी। इसी आधारपर तय होगा कि देश की राजनीति में उनका नामकौन-से हरूफों में लिखा जाएगा।

स्त्री की बौद्धिकता पर एक ख़ुफ़िया बहस

समाज में जब किसी मुद्दे पर बहस बहुत तेज़ हो जाए तो समझ लेना चाहिए कि वह बदलाव की पेशबंदी कर रहा है. इस समय सबसे ज्यादा तीखा विवाद मैरिट पर है, और संदर्भ पिछड़ी जातियों के आरक्षण का है. ज़ाहिर है कि सतह के ऊपर द्विज बनाम शूद्र का द्वंद्व है, पर मैरिट का कम से कम एक आयाम ऐसा भी है जिस पर की जा रही बहस का मुख्य रूप अफ़वाहबाजी का है, और उसकी प्रकृति फेंटेसीनुमा है. यह पहलू है स्त्री की मैरिट का.

सरगोशियों, लंतरानियों, शाम को होने वाली नशीली अड्डेबाजियों और गॉसिप कॉलमों के गुप्त मैदानों में होने वाला यह वाद-विवाद आजकल तय करने में लगा हुआ है कि स्त्री जो बोलती है, स्त्री जो लिखती है और समाज में अपने लिए बौद्धिक प्रगति के जो मौक़े संघर्ष करके हासिल करती है, क्या वास्तव में उसे उसका एकांत श्रेय दिया जाना चाहिए? हिंदी पब्लिक-स्फेयर के इस भूमिगत माहौल से अल्बर्टो मोराविया की एक कहानी याद आ जाती है. मोराविया की यह नायिका रचनाकार बनना चाहती है. लेकिन, जब वह अपनी रचना लेकर एक वरिष्ठ साहित्यकार से मिलती है, तो किसी अंधेरी गली में खड़ी कार के भीतर खुफिया तौर पर बैठा वह पुराना पापी वैकल्पिक रचना लिख कर उसे थमा देता है, बदले में उसका सानिध्य मांगता है. उस स्त्री के साथ ऐसा कई बार होता है. साहित्य का मूल्यांकन करने वाले पुरुष को लगता है कि या तो स्त्री की रचना में बहुत से संशोधन होने चाहिए या उसे फिर से लिख डालना चाहिए. और, इस सेवा के बदले उनका उस स्त्री पर स्वाभाविक हक़ बन जाता है. उस छोटी-सी कहानी का क्लाइमेक्स बड़ा वीभत्स है; आत्महत्या की कगार पर पहुंच चुकी वह स्त्री अचानक तय करती है कि वह सिर्फ़ एक देह बन जाएगी. फिर वह स्त्री लिपिस्टिक लगाती है, और शहर की सड़कों पर संभवत: वरिष्ठ साहित्यकारों की खोज में निकल पड़ती है. ज़ाहिर है कि मोराविया का ज़माना बहुत पीछे छूट चुका है.

स्त्री द्वारा रचा गया साहित्य और विमर्श-विमर्श सांस्कृतिक उत्पादन की प्रक्रिया को एक नए पायदान पर पहुंचा चुका है. स्त्री की रचना को किसी पुराने पापी की बदरंग चिप्पी नहीं चाहिए. यह कामयाब स्त्री वह नहीं है जो हर सफल पुरुष के पीछे खड़ी रहती है.

विशेष

पूजा विधि, उपाय और महत्व

दिवाली : आज इस शुभ मुहूर्त में करें लक्ष्मी पूजा

दिवाली, भारत का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है, जिसे दीपों का त्योहार भी कहा जाता है. यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश की जीत, बुराई पर अच्छाई की जीत और ज्ञान पर अज्ञानता की जीत का प्रतीक है.दिवाली के दिन घरों को दीपों से सजाया जाता है, जो अंधकार को दूर कर प्रकाश लाते हैं. यह प्रतीक है कि ज्ञान और अच्छाई हमेशा अज्ञानता और बुराई पर विजय प्राप्त करती है.

दिवाली के दिन माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है, जो धन और समृद्धि की देवी हैं. माना जाता है कि इस दिन लक्ष्मी जी पृथ्वी पर आती हैं और अपने भक्तों को धन और समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं. भारत के कुछ हिस्सों में दिवाली को नए साल की शुरुआत के रूप में भी मनाया जाता है, इस दिन नए काम की शुरुआत करना शुभ माना जाता है. इस वर्ष दिवाली का पर्व कल यानी 31 अक्टूबर को मनाया जाएगा. दिवाली की शाम को किस शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी- गणेश जी का पूजा करें. आइए जानते हैं.

सुबह जल्दी उठकर पूरे घर की अच्छे से साफ सफाई करें. ध्यान रखें दिवाली के दिन घर के किसी भी कोने में धूल या गंदगी जमा नहीं होनी चाहिए. मान्यता है कि लक्ष्मी मां सिर्फ ऐसे ही घरों में निवास करती हैं जहां साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है. सफाई के बाद स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें, इसके बाद घर के मंदिर या पूजा स्थल में पूजा अर्चना करें.

इसके बाद शाम के समय की पूजा के लिए पूरे घर को फूल और पत्तियां से सजाएं. दरवाजों पर तोरण लगाएं और घर के मुख्य द्वार को विशेष रूप से सजाएं. मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए मुख्य द्वार और पूजा स्थल के पास रंगोली बनाएं.

अब पूजा के लिए एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर उस पर लक्ष्मी गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करें. इस दिन धन की भी पूजा की जाती है इसलिए पूजा स्थल पर धन भी जरूर रखें.

कुबेर जी की भी तस्वीर या प्रतिमा स्थापित करें. पूजा स्थल पर फूल, रंगोली और चंदन से सजावट करें. अब शुद्ध घी का दीपक और सुगंधित धूप जलाकर गणेश जी, लक्ष्मी जी और कुबेर जी को रोली, अक्षत, फूल आदि अर्पित करें और आरती करें. आप चाहें तो पूजा के दौरान लक्ष्मी मंत्र और कुबेर मंत्र का जाप भी कर सकते हैं. पूजा के बाद भोग लगाएं. इस दिन मां लक्ष्मी को खीर का भोग लगाना बहुत शुभ माना जाता है. पूजा के बाद पूरे घर में दीपक जलाएं. भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को हाथी बहुत प्रिय माना जाता है. इसलिए मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए घर में चांदी या सोने की धातु का ठोस हाथी रखें. मान्यता है कि ऐसा करने से राहु के बुरे प्रभाव का असर कम हो जाता है. पीली कौड़ियां देवी लक्ष्मी का प्रतीक मानी जाती हैं.

दिवाली के दिन सफेद कौड़ियों को हल्दी के घोल में भिगोकर उन्हें पीला कर लें और इनको लाल कपड़े में बांधकर दिवाली के पूजन में रखें. पूजा के बाद इनको घर की तिजोरी में रखें दें. मान्यता है कि ऐसा करने से धन धान्य में वृद्धि होती है. दिवाली का पर्व भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है.

यह त्योहार लोगों को एक साथ लाता है और सामाजिक बंधनों को मजबूत करता है. दिवाली के दौरान लोग विभिन्न प्रकार के उत्सव मनाते हैं. दीपदान करना दिवाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. माना जाता है कि दीपदान करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है.दिवाली के दिन पटाखे जलाने की परंपरा है, दिवाली के दिन मिठाई बनाना और बांटना भी एक परंपरा का हिस्सा है.

इलेक्ट्रॉनिक फायर कैकर्स से मनाएं दिवाली

❐ पिछले कुछ सालों में पटाखों पर कई प्रतिबंध लगाए गए हैं, खासकर दिवाली के दौरान. देश के कई शहरों में पटाखों को बैन किया गया है. पटाखों से निकलने वाला धुआं सेहत के लिए बहुत खतरनाक होता है, और पॉल्यूशन भी फैलाता है. इसलिए, इनकी खरीद और बिक्री पर रोक लगाई गई है. लेकिन क्या दिवाली पटाखों के बिना भी मजेदार हो सकती है? इसका जवाब हर किसी के लिए अलग हो सकता है. अगर आपको पटाखे जलाने ही हैं, तो इसके बजाय इलेक्ट्रॉनिक फायरक्रैकर का इस्तेमाल कर सकते हैं.

अब बाजार में इलेक्ट्रॉनिक पटाखे आ गए हैं. जिन पटाखों को हम सालों से फोड़ते आ रहे हैं, इलेक्ट्रॉनिक फायरक्रैकर या कह लें कि इलेक्ट्रिक पटाखे ठीक उसी तरह ही रोशनी और आवाज करते हैं, लेकिन इनसे प्रदूषण नहीं होता है. इसलिए इनका इस्तेमाल करना नुकसान नही पहुंचाता है.

इलेक्ट्रॉनिक फायरक्रैकर असली पटाखों की तरह दिखते हैं और बिल्कुल वैसे ही काम करते हैं. ये रिमोट से काम करते हैं. इनसे आपको असली पटाखों जैसी लाइट और धमाके की आवाज सुनाई देगी. इन्हें चलाने के लिए माचिस या आग की जरूरत नहीं होती, इसलिए ये बिल्कुल सुरक्षित हैं. इनसे पॉल्यूशन भी कम होता है, और अलग-अलग तरह के पटाखों की आवाज का मजा ले सकते हैं.

इलेक्ट्रॉनिक पटाखों के अंदर तारों से जुड़े छोटे-छोटे कई पॉड्स होते हैं. इनमें एलईडी लाइट्स भी होती हैं. जब ये चालू होते हैं तो एक हाई-वोल्टेज जेनरेटर पॉड्स में थोड़े-थोड़े समय के अंतराल पर स्पार्क करता है. इससे पटाखे जैसी आवाज आती है, जिसे रिमोट के जरिए कंट्रोल किया जा सकता है.

इस तरह दिवाली पर आपको पटाखे जैसा एक्सपीरियंस मिल सकता है. आप इलेक्ट्रॉनिक पटाखे बाजार में या ऑनलाइन आसानी से खरीद सकते हैं. ये थोड़े महंगे होते हैं लेकिन ये पर्यावरण के लिए अच्छे होते हैं. टिकाऊ होने की वजह से इन्हें कई बार इस्तेमाल किया जा सकता है. आप चाहें तो इलेक्ट्रॉनिक फायरक्रैकर को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से खरीद सकते हैं. इनकी कीमत लगभग 2,500 रुपये होती है.

दिवाली पर भारतीय बाजार में 'वोकल फॉर लोकल' की धूम

> साकार हो रहा पीएम मोदी का मिशन

नई दिल्ली.

दिवाली पर बाजार में भारतीय उत्पादों की जमकर खरीदारी हो रही है.धनतेरस पर देश के खुदरा क्षेत्र में जबरदस्त उछाल देखने को मिली है. कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स यानी एक अनुमानित रिपोर्ट के मुताबिक इस साल धनतेरस पर देश भर में खुदरा व्यापार करीब 60,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया. यह आंकड़ा दर्शाता है कि लोगों में स्थानीय वस्तुओं के प्रति रुचि बढ़ रही है. यानी वोकल फॉर लोकल का प्रभाव अच्छा-खासा देखने को मिल रहा है. जानकारों की राय में दिवाली से संबंधित चीनी उत्पादों की बिक्री में गिरावट देखी गई है. इस सीजन में चीन को 1.25 ट्रिलियन रुपये का नुकसान हुआ है.स्थानीय उत्पादन की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए व्यापारी अब इस ओर अधिक से अधिक फोकस कर रहे हैं. वहीं इस धनतेरस भारत में स्वर्ण भंडार को लेकर भी एक अच्छी खबर आई. आरबीआई की ओर से जारी नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक घरेलू स्तर पर रखे गए स्वर्ण भंडार की मात्रा में बड़ा इजाफा हो रहा है. आरबीआई ने बैंक ऑफ इंग्लैंड की तिजोरियों से 102 टन सोना देश में सुरक्षित आयात करने के मिशन में सफलता पाई है. 30 सितंबर तक सोने का कुल भंडार का 60 फीसदी हिस्सा बढ़ गया है, जबकि मार्च के अंत में यह 50 फीसदी था. सितंबर के अंत तक आरबीआई के पास कुल 855 टन सोना था. यह उपलब्धि रणनीति में बदलाव का संकेत है. सितंबर 2022 से अब तक 214 टन सोना स्वदेश वापस लाया है. तीन प्रमुख कंपनियां मसलन फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप, पेगाट्रॉन कॉर्प और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में बने आईफोन को कई देशों में निर्यात कर रही हैं. फॉक्सकॉन का चेन्नई संयंत्र इस मामले में काफी अग्रणी है. वहीं टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने भी पिछले साल विस्ट्रॉन कॉर्प से अपनी फैक्ट्री का अधिग्रहण करने के बाद अप्रैल-सितंबर के बीच कर्नाटक प्लांट से आईफोन निर्यात में करीब 1.7 बिलियन डॉलर का योगदान दिया है.

आरबीआई का स्वर्ण भंडार बढ़ा

मई की शुरुआत में बताया गया था कि भारत ने पहले ही यूके से 100 टन सोना वापस मंगा लिया है, जो 1990 के दशक के बाद से सबसे बड़ा स्वर्ण प्रत्यावर्तन है. उस समय सरकार ने भुगतान संतुलन संकट के चलते विदेशी बैंकों में सोना गिरवी रख दिया था. हालांकि आज भारत का मकसद आपात स्थितियों में धन का लाभ उठाने के बजाय उसे सुरक्षित रखना है.

क्रेडिट कार्ड पर खर्च बढ़ा

त्योहारी सीजन के चलते क्रेडिट कार्ड पर खर्च का आंकड़ा बढ़ गया है. जानकारी के मुताबिक सितंबर में क्रेडिट कार्ड खर्च में साल-दर-साल 25 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, जो 6 महीनों में सबसे अधिक है. भले ही कई बैंकों ने 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान अधिक स्लिपेज देखा, लेकिन फरवरी के बाद पहली बार खर्च में 20 फीसदी से अधिक वृद्धि रही. भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में खर्च 1.76 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1.42 ट्रिलियन रुपये था. अगस्त 2024 में क्रेडिट कार्ड खर्च 1.68 ट्रिलियन रुपये था.

सेहत के क्षेत्र में बड़ा ऐलान

धनतेरस और दिवाली के त्योहार पर प्रधानमंत्री मोदी ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश को 12,850 करोड़ की कई परियोजनाओं की सौगात दी. 9वें आरोग्य दिवस पर पीएम ने जन आरोग्य योजना के तहत 70 साल और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य कवरेज को विस्तार दिया. इसी मौके पर प्रधानमंत्री ने दवा कंपनियों से 3 कैंसर रोधी दवाओं की कीमतें कम करने को भी कहा है. राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने एक ज्ञापन जारी कर संबंधित कंपनियों को 3 कैंसर रोधी दवाएं- ट्रैस्टुजुमैब , ओसिमर्टिनिब और दर्वालुमैब पर एमआरपी कम करने का निर्देश दिया है.

स्ट्रोक दिवस पर जागरूकता के बारे में दी जानकारी

नागपुर.

वोक्हार्ट हॉस्पिटल्स नागपुर को आपातकालीन सेवाओं के लिए क्यूएआई (क्वालिटी एक्रेडिटेशन इंस्टिट्यूट) मान्यता प्राप्त होने पर गर्व है, जो स्ट्रोक के मरीजों को तत्काल, जीवन रक्षक उपचार उपलब्ध कराने के लिए सुसज्जित है। न्यूरोलॉजिस्ट और आपातकालीन विशेषज्ञों की हमारी समर्पित टीम त्वरित निदान करने और उपचार का सर्वोत्तम तरीका निर्धारित करने के लिए एडवांस इमेजिंग तकनीक का उपयोग करती है। एक व्यापक पुनर्वास कार्यक्रम के साथ, हम मरीजों को ठीक होने के हर कदम पर सहायता करते हैं, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध, वोक्हार्ट हॉस्पिटल्स - नागपुर स्ट्रोक के इलाज में सबसे आगे है, जो हमारे मरीजों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव ला रहा है। डॉ. अंकुर जैन (कन्सल्टन्ट - न्यूरोलॉजिस्ट) ने इस अवसर पर कहा की, "स्ट्रोक के रोकथाम के लिए जोखिम कारकों को समझना और उनका प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है। सामान्य जोखिम कारकों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, उच्च कोलेस्ट्रॉल, धूम्रपान, तम्बाकू का सेवन, मोटापा, गतिहीन जीवनशैली और अधिक उम्र या स्ट्रोक का पारिवारिक इतिहास शामिल हैं।इसके अलावा उन्होंने " द गोल्डन ऑवर: टाइम इज क्रिटिकल" पर जोर दिया - स्ट्रोक के उपचार में "गोल्डन ऑवर" की अवधारणा को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताया जा सकता। हर मिनट मायने रखता है, क्योंकि ऑक्सीजन के बिना हर सेकंड लगभग 32000 मस्तिष्क कोशिकाएं मर जाती हैं। डॉ. अमित भट्टी (कन्सल्टन्ट - इंटरवेंशनल न्यूरोलॉजिस्ट) ने कहा कि "स्ट्रोक के इलाज के लिए सही हॉस्पिटल चुनना बहुत महत्वपूर्ण है। यहाँ विचार करने योग्य कुछ प्रमुख कारक दिए गए हैं:इमेजिंग: स्ट्रोक के लिए हॉस्पिटल का चयन करने में इमेजिंग महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है क्योंकि यह स्ट्रोक के प्रकार और गंभीरता के त्वरित निदान और मूल्यांकन करने में सहायता करती है, जो सीधे उपचार निर्णयों और उनके स्वास्थ्य में सुधार को प्रभावित करती है।आवश्यक जांच में इस्केमिक और रक्तस्रावी स्ट्रोक के बीच अंतर करने के लिए एक नॉन-कंट्रास्ट सीटी स्कैन या एमआरआई शामिल होना चाहिए, साथ ही वाहिकाओं संबंधी भागीदारी का आकलन करने और यदि आवश्यक हो तो हस्तक्षेप का मार्गदर्शन करने के लिए एंजियोग्राफी को शामिल किया जाना चाहिए। स्पेशलाइज्ड स्ट्रोक टीम्स: सुनिश्चित करें कि हॉस्पिटल में चौबीसों घंटे प्रशिक्षित विशेषज्ञों के साथ एक समर्पित स्ट्रोक यूनिट हो। हॉस्पिटल में थ्रोम्बोलिसिस और कैथलैब होना चाहिए, हम सभी से स्ट्रोक के लक्षणों के बारे में खुद को शिक्षित करने, त्वरित प्रतिक्रिया के महत्व को समझने और पहल का समर्थन करने का आग्रह करते हैं। वोक्हार्ट हॉस्पिटल्स नागपुर को स्ट्रोक से बचे लोगों और उनके परिवारों का समर्थन करने, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश क्षेत्र में व्यापक देखभाल और पुनर्वास सुनिश्चित करने पर गर्व है।

टाटा एआईजी ने राइडर्स किये लॉन्च

मुंबई. भारत में एक प्रमुख सामान्य बीमा प्रदाता, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने आज 60 से अधिक लाभ प्रदान करने वाले पांच नए राइडर्स के लॉन्च की घोषणा की, जिसका उद्देश्य अपने खुदरा स्वास्थ्य बीमा उत्पादों की लचीलापन और व्यापकता को बढ़ाना है। चूंकि चिकित्सा लागत में वृद्धि जारी है और स्वास्थ्य सेवा की ज़रूरतें विकसित हो रही हैं, इसलिए इन राइडर्स को अनुकूलित सुरक्षा प्रदान करने, उभरती हुई स्वास्थ्य चिंताओं और जीवनशैली में बदलावों को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह लॉन्च अपने ग्राहकों के लिए अभिनव और प्रासंगिक समाधान प्रदान करके स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में विकास को आगे बढ़ाने के लिए टाटा एआईजी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है वेलबीइंग, एम्पावरहर, ओपीडी केयर, कैनकेयर और फ्लेक्सी शील्ड- मानसिक स्वास्थ्य, महिला स्वास्थ्य और कैंसर कवरेज जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं।टाटा एआईजी ने अपने दावों के निपटान की प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण सुधार किए हैं, जो ग्राहकों का भरोसा बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

'व्हील्स ऑफ होप्स' साइक्लोथॉन का आयोजन किया

नागपुर. ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस माह के अवसर पर, एचसीजी कैंसर सेंटर नागपुर ने ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से व्हील्स ऑफ होप्स साइक्लाथॉन का आयोजन किया। साइक्लाथॉन का शुभारंभ माननीय मुख्य अतिथि डॉ. रवींद्र सिंगल, पुलिस आयुक्त, द्वारा तेलंकेड़ी में किया गया और इसका समापन एचसीजी अस्पताल में हुआ। इस पहल का आयोजन टाइगर सिटी साइक्लिंग एसोसिएशनऔर लाफ्टर राइडर्स के सहयोग से किया गया, जिसमें 400 से अधिक साइकिल चालकों ने भाग लिया। साइक्लाथॉन सुबह 6:30 बजे प्रारंभ हुआ और लगभग 8 बजे समाप्त हुआ, जिसमें अंतरराष्ट्रीय साइकिलिस्ट डॉ. अमित समर्थ, निदेशक एवंसर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. अजय मेहता, एचसीजी कैंसर सेंटर के सीओओ वेंकटेश्वरलु मारापका, डॉ. सुचित्रा मेहता, डॉ. मनजीत राजपूत,डॉ. शिजान परवेज, डॉ. भास्कर सिंह, डॉ. रजत बजाज, डॉ. कपिल राउत, डॉ. शंतनु पेंडसे, डॉ. रीता सिंह और नागपुर शहर के अन्य राइडर्स मौजूद थे। यह ध्यान देने योग्य है कि ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस माह के सम्मान में एचसीजी कैंसर सेंटर नागपुर ने रेस एक्रॉस इंडिया के साथ साझेदारी की है,जो ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित एक वार्षिक साइक्लिंग इवेंट है। देशभर के साइकिल चालकों ने श्रीनगर से रेस की शुरुआत की, जो कई शहरों से गुजरते हुए कन्याकुमारी में 6 दिन और 11 घंटे में समाप्त हुई। मुख्य अतिथि रवींद्र सिंगला, जो स्वयं एक साइकिलिंग उत्साही हैं, ने अपने विचार व्यक्त किए और एचसीजी कैंसर सेंटर नागपुर की इस महान कार्य के लिए सराहना की। इस साइक्लाथॉन का मुख्य उद्देश्य फिटनेस और स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना है। कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचने के लिए हमें इसके बारे में जागरूक रहना और रोकथाम के उपाय अपनाने चाहिए। कैंसर को रोकने की कुंजी इस बीमारी के बारे में खुद को शिक्षित करना है। इसलिए, हमें सभी को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लेना चाहिए ताकि भविष्य में एक बेहतर कल सुनिश्चित किया जा सके। हम प्रतिभागियों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने में प्रसन्न हैं। ऐसे उत्साही सहभागिता से यह स्पष्ट होता है कि लोग बेहतर स्वास्थ्य में बने रहने की मंशा और प्रतिबद्धता को दिखा रहे हैं। एचसीजी कैंसर सेंटर नागपुर के मुख्य परिचालन अधिकारी वेंकटेश्वरलु मारापका ने कहा, इस साइक्लाथॉन का मुख्य उद्देश्य फिटनेस को बढ़ावा देना है।

जीएसटी रिटर्न पर आया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली.

जीएसटी रिटर्न को लेकर अगले साल की शुरुआत से नियम में बदलाव हो रहे हैं. इसके तहत 2025 की शुरुआत से जीएसटी करदाता मूल रूप से रिटर्न फाइल करने की नियत तारीख से तीन साल बाद मासिक और वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे.

माल एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने मंगलवार को एक परामर्श में यह कहा. इसमें कहा गया है कि जीएसटी बिक्री रिटर्न के अलावा देनदारी के भुगतान, वार्षिक रिटर्न और स्रोत पर कर संग्रह से संबंधित रिटर्न पर नया नियम लागू होगा. यानी रिटर्न जमा करने की नियत तिथि से तीन साल की अवधि की समाप्ति के बाद रिटर्न भरने पर पाबंदी होगी. जीएसटीएन ने कहा कि उक्त बदलाव अगले साल की शुरुआत से जीएसटी पोर्टल में लागू होने जा रहा है.

कांग्रेस पार्टी में बढ़ा तनाव

मुंबई।

महाराष्ट्र में नामांकन की प्रक्रिया खत्म होते ही कांग्रेस पार्टी का तनाव बढ़ गया है। पार्टी को अब अपने ही बागियों से डर सताने लगा है। इसके चलते वो बागियों को मनाने में जुट गई है। कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने अपने नेताओं को ये सुनिश्चित करने को बोला है कि सभी बागी नामांकन वापस ले लें और उन्होंने जोर दिया कि राज्य विधानसभा चुनावों में एमवीए सहयोगियों के बीच कोई लड़ाई न हो। चेन्निथला ने यह भी दावा किया कि सत्तारूढ़ भाजपा ने अपने महायुति सहयोगियों की सीटें पर कब्जा किया है, जबकि विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने गठबंधन सहयोगियों के साथ समान व्यवहार किया है। बता दें कि महाराष्ट्र में प्रमुख राजनीतिक दलों को अपने कार्यकर्ताओं में विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि टिकट से वंचित पार्टी नेताओं ने अपने ही नेतृत्व को चैलेंज कर 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन दाखिल किया है, जो महायुति और एमवीए दोनों के लिए सिरदर्द बन गया है। 4 नवंबर को उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख है और उसके बाद यह साफ हो जाएगा कि मैदान में अभी भी कितने बागी बचे हैं। उन्होंने कहा कि सभी बागी वापस चले जाएंगे। एमवीए में कोई दोस्ताना लड़ाई नहीं होगी। बालासाहेब थोराट, विजय वडेट्टीवार और नाना पटोले बागियों से बात करेंगे।" उन्होंने कहा, "एमवीए की सरकार बनाना हमारा लक्ष्य है," उन्होंने जोर देकर कहा कि विपक्षी सहयोगी राज्य विधानसभा चुनाव अनुशासन के साथ लड़ेंगे। महायुति गठबंधन को "अजीब" करार देते हुए चेन्निथला ने दावा किया कि भाजपा ने सहयोगी एनसीपी और शिवसेना को आवंटित सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

कांग्रेस को उम्मीद, बागी नामांकन वापस लेंगे

एमवीए में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की एनसीपी (एसपी) शामिल हैं, जबकि महायुति में भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल है। कांग्रेस कमेटी के प्रभारी चेन्निथला ने कहा कि उनकी पार्टी के नेता नसीम खान को समाजवादी पार्टी से बात करने के लिए कहा गया है और उन्हें उम्मीद है कि (बागियों द्वारा नामांकन का) मुद्दा 4 नवंबर तक सुलझ जाएगा।

महाराष्ट्र में 6 को जारी होगा कांग्रेस का घोषणापत्र

मुंबई।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 6 नवंबर को पार्टी का घोषणापत्र जारी करेंगे। इस मौके पर एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) के मुखिया उद्धव ठाकरे भी मौजूद रहेंगे। इसी दिन महाराष्ट्र में संविधान बचाओ आंदोलन भी होगा। इसमें मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल होंगे। इस आंदोलन के बाद महा विकास अघाड़ी की बड़ी बैठक होगी। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर एक चरण में ही 20 नवंबर को मतदान होंगे और नतीजों की घोषणा 23 नवंबर को होगी।

प्रदेश में मुख्य मुकाबला महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच माना जा रहा है। दोनों ही गठबंधन जीत के दावे कर रहे हैं। लेकिन जीत किसकी होगी, इसका फैसला जनता 20 नवंबर को करेगी और मतगणना 23 नवंबर को होगी। मंगलवार को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख थी।

नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 22 अक्टूबर को शुरू हुई थी। नामांकन पत्रों की जांच 30 अक्टूबर को होगी। उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख 4 नवंबर है। भाजपा के 148, महा विकास अघाड़ी में शामिल कांग्रेस 103 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) 89 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शरद गुट की एनसीपी 87 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। छह सीटें महा विकास अघाड़ी के अन्य सहयोगियों को दी गई हैं, जबकि तीन अन्य विधानसभा सीटों पर अभी तक कोई फैसला नहीं हो पाया है। जबकि शिंदे ने 80, अजित ने 53 उम्मीदवार उतारे हैं।

जारी कर दी स्टार प्रचारकों की सूची

❑ इस बीच, कांग्रेस ने स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी कर दी है, जिसमें कुल 40 नेताओं के नाम शामिल हैं। इस सूची में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, के.सी. वेणुगोपाल सहित अन्य नेताओं के नाम शामिल हैं। आगामी दिनों में ये सभी नेता पार्टी के पक्ष में प्रचार करते हुए दिखेंगे।

फिर ट्रेन को डिरेल करने की साजिश

> देहरादून में रेलवे ट्रैक पर डेटोनेटर मिलने से हड़कंप

देहरादून।

उत्तराखंड में दीपावली से पहले बड़ी घटना की साजिश का पर्दाफाश हुआ है। देहरादून में रेलवे ट्रैक पर डेटोनेटर मिलने से हड़कंप मच गया है। हरिद्वार से देहरादून जाने वाले रेलवे ट्रैक पर डेटोनेटर मिला है। माना जा रहा है कि त्योहारी सीजन में ट्रेन को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची गई थी। लेकिन रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता से एक बड़ी घटना टल गई. मामले की जांच शुरू कर दी गई है। रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाने की ये घटना हरिद्वार के मोतीचूर रेलवे स्टेशन के पास की है। मामले की जानकारी सामने आने के बाद स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों जांच में जुट गई हैं। इस मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के रामपुर के रहने वाले एक युवक को रेलवे ट्रैक के पास से हिरासत में लिया है. आशंका जताई जा रही है कि इसी शख्स ने यह डेटोनेटर प्लांट किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक ट्रैक पर जैसे ही डेटोनेटर होने की खबर मिली, वहां हड़कंप मच गया।

आनन-फानन में लोकल पुलिस से लेकर अन्य सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। इसी दौरान एक सीसीटीवी कैमरे में एक युवक रेलवे ट्रैक पर संदिग्ध हालत में घूमते हुए देखा गया। पुलिस ने एक्शन लेते हुए तुरंत युवक की पहचान करते हुए उसे हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू कर दी। युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के रामपुर के रहने वाले अशोक के रूप में हुई है। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है।

3 को बंद होंगे केदारनाथ धाम के कपाट

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में दीपावली के साथ ही भैयादूज पर रविवार को कपाट बंद करने को लेकर मंदिर समिति ने तैयारियां शुरू कर दी है। मंदिर को 10 कुंटल से अधिक फूलों से सजाया गया है। 3 नवंबर को प्रातः 8 बजकर 30 मिनट पर शीतकाल हेतु केदारबाबा के कपाट बंद हो रहे है। केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। दीपावली के अवसर पर धाम में मंदिर को सजाया जा रहा है।

बांधवगढ़ में सात हाथियों की मौत

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब संदिग्ध हालत में 4 हाथियों की अचानक से मौत हो गई. वहीं 4 और गंभीर हाथियों में से 3 और हाथियों ने दम तोड़ दिया है. अब तक 7 हाथियों की एक साथ मौत हो चुकी है. ये सभी हाथी जंगली हाथी हैं. इतना ही नहीं झुंड में शामिल कुछ और हाथियों की हालत भी गंभीर बताई जा रही है. जैसे ही इस बात की जानकारी टाइगर रिजर्व को लगी मौके पर सारे आला अधिकारी पहुंच गए.

महाराष्ट्र चुनाव में ब्लैक मनी की एंट्री

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के साथ ही ब्लैक मनी का मिलना जारी है। महाराष्ट्र गुजरात बॉर्डर पर पुलिस ने फिर 4 करोड़ 25 लाख कैश बरामद किया है। चुनाव के मद्देनजर पालघर जिले में गुजरात दादरा नगर हवेली और दमन की सीमाओं पर नाकाबंदी की गई है।

पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल

महाराष्ट्र में चुनाव से पहले 260 अधिकारियों के तबादले

मुंबई। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र चुनाव से पहले मुंबई पुलिस के 221 अधिकारियों और कर्मचारियों का ट्रांसफर कर दिया है। मुंबई पुलिस पहले ही ट्रांसफर किए जाने के विरोध में थी। इसके पीछे हवाला दिया गया था कि इतनी संख्या में पुलिसवालों को इधर-उधर करने से कानून व्यवस्था की स्थिति गड़बड़ा सकती है। लेकिन चुनाव आयोग ने सख्त फैसला ले लिया।

बताया जा रहा है कि एक सप्ताह पहले आयोग ने तबादले के मानदंड पर खरा उतरने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के नाम मांगे थे। अब अधिकतर ट्रांसफर मुंबई, नवी मुंबई और मीरा भयंदर वसई विरार से किए गए हैं। जिन अधिकारियों को बदला गया है, उनमें लगभग 42 को मुंबई पुलिस में दोबारा भेजा गया है।

एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक नई तबादला सूची में लगभग 162 नाम इंस्पेक्टर रैंक के हैं। वहीं, एमबीवीवी से लगभग 38 इंस्पेक्टर और नवी मुंबई पुलिस से 21 अधिकारियों को उनकी कमिश्नरेट से बाहर ट्रांसफर किया गया है। माना जा रहा है कि गृह विभाग और डीजीपी कार्यालय फैसले को लेकर राजी नहीं है। महाराष्ट्र प्रशासनिक न्यायाधिकरण (एमएटी) द्वारा दिए गए स्थगन आदेशों को लेकर अपील की जा सकती है।

इससे पहले मुंबई पुलिस के 112 अधिकारियों को तबादला किया गया था। 21 अधिकारियों को लेकर फैसला स्थगित कर दिया गया था। मुंबई पुलिस को चुनाव आयोग ने फटकार लगाई थी। इसके बाद तबादले किए गए थे। चुनाव आयोग ने मुंबई पुलिस को एक पत्र भी इस महीने की शुरुआत में लिखा था।

डीजीपी ने मांगी थी जानकारी

❑ पत्र में निर्देश दिए गए थे कि किसी भी जिले में कोई भी अधिकारी तैनात हो, उसके सेवा रिकॉर्ड को काउंट किया जाए। अगर कोई अफसर या कर्मी एक ही जगह 3-4 साल से टिका है तो उसे चुनाव से पहले बदला जाए। ताकि चुनाव प्रक्रिया सुचारू रूप से चले। किसी प्रकार की छेड़छाड़ की गुंजाइश न रहे। चुनाव आयोग के लेटर के आधार पर डीजीपी ने 23 अक्टूबर को एमबीवीवी को पत्र लिख मानदंड पर खरे उतरने वाले अधिकारियों की जानकारी मांगी थी।

सत्येंद्रवाणी दैनिक समाचार
सत्येंद्रवाणी दैनिक समाचार एक निष्पक्ष पत्रिका को महाराष्ट्र के प्रत्येक शहर तहसील स्तर पर बिज़नेस पार्टनर व डिस्ट्रीब्यूटर्स, रिपोर्टर, नियुक्त करने है, केवल इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें। प्रति माह रूपये 2 लाख से अधिक की आकर्षक इनकम ।

बागियों को मनाने की हो रही है कोशिश : फडणवीस

> दिवंगत आरआर पाटिल के बारे में कुछ कहना ठीक नहीं

मुंबई.

उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि हर पार्टी में बागी उम्मीदवार होते हैं और पार्टी अधिकांश बागियों को मनाने और उनके नामांकन वापस लेने में मदद करने की कोशिश कर रही है। बागी उम्मीदवार वे व्यक्ति होते हैं जो अपनी पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं।

उनकी यह टिप्पणी महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार के इस दावे के बाद आई है कि पूर्व गृह मंत्री स्वर्गीय आरआर पाटिल ने कथित 70,000 करोड़ रुपये के सिंचाई घोटाले की खुली जांच का आदेश देकर उनके साथ विश्वासघात किया है। उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने साफ शब्दों में कहा कि दिवंगत आरआर पाटिल अब हमारे बीच नहीं हैं,

इसलिए मुझे नहीं लगता कि उनके बारे में कुछ टिप्पणी करना या उनके बारे में कुछ ऐसा कहना उचित है जिसका वे जवाब न दे सकें।

लेकिन एक बात मैं कहूंगा कि यह सच है कि अजित दादा के खिलाफ जो भी मामले दर्ज किए गए, वे 2014 से पहले कांग्रेस और एनसीपी सरकार के कार्यकाल में किए गए थे।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने दावा किया कि पूर्व गृह मंत्री स्वर्गीय आरआर पाटिल ने कथित 70,000 करोड़ रुपये के सिंचाई घोटाले की खुली जांच का आदेश देकर उनके साथ विश्वासघात किया है।

सांगली में एक सभा को संबोधित करते हुए पवार ने कहा, "आरोप लगाए गए थे कि सिंचाई विभाग में 70,000 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। 1 मई को महाराष्ट्र की स्थापना के दिन से लेकर आरोपों की तारीख तक सिंचाई विभाग का कुल खर्च केवल 42000 करोड़ रुपये था, जिसमें वेतन और अन्य सभी खर्च शामिल थे। मैं इस बात से हैरान हूं कि जिस विभाग का कुल खर्च केवल 42000 करोड़ रुपये है, उसमें 70000 करोड़ रुपये का घोटाला कैसे हो सकता है। "पवार ने कहा, "इसके बाद एक फाइल तैयार की गई जिसे गृह विभाग को भेजा गया और इस व्यक्ति (आरआर पाटिल) ने उस फाइल पर हस्ताक्षर किए थे और कहा था कि (अजित पवार) के खिलाफ खुली जांच की जाए... यह विश्वासघात और विश्वासघात के अलावा कुछ नहीं है।"

कुछ जगहों पर यह एक दोस्ताना मुकाबला होगा

उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, "बागी उम्मीदवार हर पार्टी में होते हैं और हम अधिकांश बागियों को समझाने और उनके नामांकन वापस लेने में मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, कुछ जगहों पर यह एक दोस्ताना मुकाबला होगा। उन्होंने यह भी कहा कि दिवंगत आरआर पाटिल के खिलाफ अजित पवार के आरोपों के बारे में कुछ कहना उचित नहीं है।

रेबीज संक्रमण से एक 'गोल्डन जैकाल' की मौत

मुंबई.

एक महीने के भीतर पांच गोल्डन जैकाल की अलग-अलग मौतों के बाद चिंता बढ़ गई है. वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जांच के लिए भेजे गए पांचवें मृत सोनकुत्ते के मस्तिष्क के नमूनों में रेबीज संक्रमण की पुष्टि हुई है. वन विभाग की मुंबई रेंज को इसी महीने दो मृत गोल्डन जैकाल मिले थे, जबकि तीन जीवित गोल्डन जैकाल को बचाया गया था. जीवित गोल्डन जैकाल को इलाज और पुनर्वास के लिए मुंबई स्थित आरएडब्ल्यूडब्ल्यू को सौंप दिया गया था.पहला जीवित गोल्डन जैकाल इलाज से पहले ही मर गया था. दूसरे गोल्डन जैकाल का इलाज किया गया.

लेकिन कुछ ही घंटों में वो भी मर गया. तीसरा गोल्डन जैकाल को चेंबूर से बचाया गया, लेकिन असामान्य व्यवहार दिखाने के बाद वह भी अगले ही दिन मर गया. सभी मृत सोनकुत्तों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए संजय गांधी नेशनल पार्क भेजा गया. वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आखिरी मृत गोल्डन जैकाल के मस्तिष्क के नमूने को मुंबई वेटरनरी कॉलेज भेजा गया, जहां रेबीज की पुष्टि हुई.

वन विभाग का कहना है कि इसकी गंभीरता से जांच की जा रही है. यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि इन गोल्डन जैकाल में रेबीज की बीमारी कैसे आई.

मामूली विवाद में व्यक्ति की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

ठाणे.

जिले में प्रतिबंधित क्षेत्र में घूमने को लेकर हुए विवाद में 37 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। हत्या के इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक निर्माण स्थल के दो सुरक्षा गार्ड को हिरासत में लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना मंगलवार सुबह कल्याण इलाके में स्मार्ट सिटी परियोजना निर्माण स्थल के पास हुई। एमएफसी थाने के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि निर्माण स्थल पर तैनात दोनों गार्ड ने व्यक्ति के यहां घूमने पर आपत्ति जताई थी। इस बात से व्यक्ति नाराज हो गया और उन लोगों में विवाद होने लगा।

यह विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों आरोपियों ने कथित तौर पर उस व्यक्ति को उठाकर फर्श पर पटक दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस अधिकारी ने बताया की घटना की जांच करते हुए पुलिस की टीम ने कई सुरागों के आधार पर काम किया और घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले। जांच के आधार पर दोनों

गार्ड को गिरफ्तार किया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) (हत्या) और 3 (5) (सामान्य इरादे से कई व्यक्तियों द्वारा किया गया आपराधिक कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ठुकराया प्रेम प्रस्ताव तो युवक ने की हत्या

ठाणे. जिले में एक व्यक्ति ने एक 23 वर्षीय युवती की चाकू घोंपकर हत्या कर दी और उसकी बहन को घायल कर दिया. इस बात की जानकारी पुलिस ने मंगलवार को एक न्यूज एजेंसी को दी. एक अधिकारी ने बताया कि यह हमला सोमवार सुबह भिवंडी के भदवाड़ गांव में युवती के घर में हुआ. महिला आरोपी राजू महेंद्र सिंह (24) से परिचित थी. शांति नगर थाने के इंस्पेक्टर अतुल अदुरकर ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश के एक ही गांव के रहने वाले थे और पड़ोसी थे. उन्होंने बताया कि पीड़िता ने आरोपी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था और वह इस अस्वीकृति से नाराज था.अधिकारी ने बताया कि आरोपी सुबह करीब 11.15 बजे युवती के घर में घुसा और रसोई के चाकू से उस पर तब तक वार करता रहा जब तक कि वह बेहोश नहीं हो गई. इस दौरान युवती की बहन उसे बचाने आई तो आरोपी ने युवती की बहन पर भी हमला किया. जिससे वह भी घायल हो गई. घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. अधिकारी ने बताया कि इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई.

6 नवंबर को मुंबई में होगी एमवीए की संयुक्त रैली

> राहुल गांधी करेंगे चुनावी गारंटी की घोषणा

मुंबई.

6 नवंबर को कांग्रेस महाविकास आघाड़ी के साथ एक संयुक्त रैली का आयोजन करने जा रहा है, जिसमें कांग्रेस विधानसभा चुनाव के लिए अपनी गारंटी जारी करेगा। इस रैली में कांग्रेस के बड़े नेता मौजूद रहने वाले है। कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम 6 नवंबर की शाम बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में आयोजित किया जाएगा और इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी नेता राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार और शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे शामिल होंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी 6 नवंबर को महा विकास अघाड़ी के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुंबई आएंगे।

जहां एनसीपी-एससीपी नेता शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे और महा विकास अघाड़ी के अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम में राहुल गांधी राज्य के लिए कांग्रेस की चुनावी गारंटी की घोषणा करेंगे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 6 नवंबर को एक दिन के दौरे पर महाराष्ट्र जाएंगे। पटोले ने बताया कि वह सुबह नागपुर में सबसे पहले 'संविधान बचाओ' सभा में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि गांधी इसके बाद बीकेसी में एमवीए की संयुक्त रैली में शामिल होंगे। कांग्रेस पिछले कुछ समय से चुनावों में अपने घोषणापत्र को 'गारंटी' के रूप में पेश करती रही है। एमवीए में कांग्रेस 103 सीटों पर, शिवसेना (यूबीटी) 89 पर और शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा 87 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। छह सीटें अन्य एमवीए सहयोगियों को दी गई हैं, जबकि तीन विधानसभा सीटों पर कोई स्पष्टता नहीं है।

देश से माफी मांगे कांग्रेस

ईसी की ओर से आरोपों को खारिज करने के बाद भाजपा ने कहा

नई दिल्ली।

भारत के चुनाव आयोग ने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनावों में अनियमितताओं के कांग्रेस के आरोपों को खारिज कर दिया। साथ ही इन आरोपों को 'निराधार, गलत और तथ्यों से रहित' बताया। अब इस मुद्दे को लेकर भाजपा ने कांग्रेस को लोकतंत्र विरोधी पार्टी बताया। साथ ही कहा कि आपातकाल वाली पार्टी एक स्वस्थ लोकतंत्र को पचा नहीं सकती है।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से कई शिकायतें की थीं, जिनमें आठ अक्तूबर को मतगणना प्रक्रिया में धीमी गति के आरोप भी शामिल थे। इस दिन हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनावों के परिणाम घोषित किए गए थे। कांग्रेस ने 26 विधानसभा क्षेत्रों के कुछ मतदान केंद्रों पर मतगणना के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की कंट्रोल यूनिट (सीयू) पर 99 प्रतिशत बैटरी स्थिति प्रदर्शित होने पर भी स्पष्टीकरण मांगा था। कांग्रेस ने हरियाणा चुनाव में 26 शिकायतें की थीं।भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, 'चुनाव आयोग ने कांग्रेस पार्टी की साजिश का पर्दाफाश किया है। कांग्रेस लोकतंत्र विरोधी पार्टी है, इसलिए वह बिना किसी सबूत, अर्धसत्य और फर्जी खबर के आधार पर हर लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'कांग्रेस ने चुनाव आयोग, ईवीएम और सुप्रीम कोर्ट पर सवाल उठाए। मैं कहना चाहता हूं कि आप (कांग्रेस) आपातकाल की पार्टी हैं, आपने संविधान को तहस नहस कर दिया। आप एक स्वस्थ लोकतंत्र को पचा नहीं सकते, लेकिन यह लोकतंत्र आपके परिवार के हिसाब से नहीं चलेगा। यह कानून के शासन के अनुसार चलेगा। आज आप सभी को देश से माफी मांगना चाहिए कि उन्होंने चुनाव आयोग पर सवाल खड़े किए।'

वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, 'आप देखते हैं, भारत का चुनाव आयोग अभी तक एक और संवैधानिक संस्था है, जिसने कांग्रेस पार्टी को उसके गैरजिम्मेदार, निराधार आरोपों के लिए फटकार लगाई है जो किसी भी तथ्य से रहित हैं। कांग्रेस पार्टी जब भी चुनाव जीतती है, चाहे वह उस समय कर्नाटक में हो या तेलंगाना में, ईवीएम और चुनाव आयोग को ठीक मानती है। जब वह चुनाव हारती है तो संवैधानिक संस्थाओं को गाली देना शुरू कर देती है।'

चुनाव आयोग ने जवाब में क्या कहा?

मतगणना के लगभग 20 दिन बाद चुनाव आयोग ने मंगलवार को 1600 पन्नों में आरोप का जवाब दिया। चुनाव आयोग ने कांग्रेस के आरोपों पर कि कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों को वोटिंग और काउंटिंग जैसे संवेदनशील समय पर इस तरह के सनसनीखेज आरोप लगाने को लेकर चेताया। चुनाव आयोग ने कहा कि इस तरह के गैर-जिम्मेदाराना आरोप अशांति और अराजकता का कारण बन सकते हैं।

भारत को 2 साल से मिल रहा धोखा!

> तेजस के इंजन की आपूर्ति में देरी पर यूएस की कंपनी भरेगी जुर्माना

नई दिल्ली।

स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस के उन्नत संस्करण तेजस मार्क-1 ए के लिए इंजन की आपूर्ति में दो वर्ष की देरी होने पर अमरीकी कंपनी जीई को अनुबंध की शर्तों के मुताबिक जुर्माना भरना होगा।

जीई को तेजस मार्क-1 ए के लिए इंजनों की आपूर्ति मार्च 2023 में करनी थी, लेकिन जीई ने अब इन इंजनों की आपूर्ति अगले वर्ष अप्रेल से करने की बात कही है।

इस मामले के जानकार उच्च पदस्थ सरकारी सूत्रों ने बताया है कि समय पर इंजन की आपूर्ति नहीं होने पर भारत ने अनुबंध की शर्तों के अनुरूप जीई के खिलाफ जुर्माना लगा दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अलग-अलग समय पर अमरीकी यात्रा के दौरान यह मामला उठा चुके हैं।सूत्रों ने कहा कि इंजन की आपूर्ति नहीं मिलने के पीछे कोई दबाव की राजनीति या अन्य कारण नहीं है, बल्कि पूरी तरह से तकनीकी कारणों से नहीं हो पा रही है। इन इंजनों के लिए दक्षिण कोरिया से मिलने वाले उपकरणों का अभाव बताया जा रहा है।

बता दे की रक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2021 में एचएएल के साथ 83 तेजस मार्क-1ए विमानों की खरीद के लिए 48000 करोड़ रुपए का सौदा किया था। इसके बाद एचएएल ने उसी वर्ष अगस्त में 99 विमानों के लिए इंजन एफ-404 की खरीद के लिए जीई के साथ करार किया था।

जीई ने इंजनों की आपूर्ति मार्च 2023 में शुरू करने की बात कही थी।

हल्के लड़ाकू विमानों का उन्नत संस्करण

तेजस मार्क -1ए देश में ही बनाए गए हल्के लड़ाकू विमान तेजस का उन्नत संस्करण है और वायु सेना को अपने लड़ाकू विमानों के बेड़े के लिए इन विमानों की बड़ी जरूरत है। वायु सेना के लिए ये विमान सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड एचएएल बना रहा है।

चेन्निथला ने महायुति की गिनाई गलतियां

> 'भ्रष्टयुति महाराष्ट्र की दुर्गति' के बांटे पोस्टर

मुंबई.

हाल ही में राज्य विधानसभा चुनाव के लिए सभी दलों ने अपने उम्मीदवारों के नाम जारी कर उनका नामांकन कराया है। इस दौरान महायुति में कई उम्मीदवारों से उनकी उम्मीदवारी छीनकर किसी और को दे दी गई, जिस पर भाजपा में बगावत की लहर भी उठ चुकी है। महाराष्ट्र चुनाव से पहले महाराष्ट्र के कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला ने बुधवार को महायुति गठबंधन पर निशाना साधा।उन्होंने कहा कि महायुति के बिल्कुल विपरीत कांग्रेस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले महाविकास आघाड़ी के सभी दलों के साथ बराबरी का व्यवहार किया है।उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, "महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के उम्मीदवारों द्वारा सभी 288 सीटों पर नामांकन दाखिल किए गए हैं। जब आप एमवीए की तुलना महायुति से करते हैं, तो हमारे समूह के भीतर कोई झगड़ा नहीं है। महायुति अब खत्म हो गई है। हमने एमवीए में सभी दलों के साथ समान व्यवहार किया है। महायुति में, भाजपा ने एनसीपी और शिवसेना-शिंदे की सभी सीटें छीन ली हैं।" कांग्रेस ने भाजपा, राकांपा और शिवसेना-शिंदे के महायुति (गठबंधन) को 'भ्रष्टाचार' करार दिया और राज्य सरकार की कथित विफलताओं को गिनाया।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा मानखुर्द शिवाजी नगर से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) के उम्मीदवार के रूप में नवाब मलिक के नामांकन का दिया है जिसका खुद भाजपा विरोध कर रही है।

इससे पहले भाजपा नेता किरीट सोमैया ने मलिक को आतंकवादी बताते हुए कहा, "नवाब मलिक एक आतंकवादी है जिसने भारत को टुकड़े-टुकड़े करने की कोशिश की। वह दाऊद का एजेंट है और अजीत पवार की एनसीपी ने नवाब मलिक को टिकट देकर देश के साथ विश्वासघात किया है।

महायुति की ओर से भारतीय जनता पार्टी के एकनाथ शिंदे के उम्मीदवार सुरेश कृष्ण पाटिल ने कल से प्रचार शुरू कर दिया है।

"रमेश चेन्निथला ने आगे दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने गठबंधन सहयोगियों को "मारना" चाहती है, कांग्रेस ने केवल उन उम्मीदवारों को ए और बी फॉर्म दिए हैं जो पहले से ही घोषित थे।

लाड़ली बहन योजना की आलोचना की

"यह एक स्पष्ट संदेश है कि भाजपा अपने गठबंधन सहयोगियों को मारना चाहती थी...हमने केवल उन उम्मीदवारों को 'ए' और 'बी' फॉर्म दिए हैं जिनके नाम पार्टी द्वारा घोषित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जिन नेताओं ने स्वतंत्र रूप से नामांकन दाखिल किया है, उन्हें अपना नामांकन वापस ले लेना चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार की लाडली बहन योजना के क्रियान्वयन की भी आलोचना की और कहा कि सरकार के पास इस योजना के लिए कोई धन नहीं है, यही कारण है कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने इसे रोक दिया।

मुस्लिम महिला से जबरन लगवाए 'जय श्री राम' का नारे

मुंबई. जिले में टाटा हॉस्पिटल के बाहर का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. इस वीडियो में एक शख्स लोगों को खाना बांटते हुए नजर आ रहा है. लेकिन, आरोप है कि खाना बांटते के समय यह शख्स लोगों को 'जय श्री राम' का नारा लगाने कह रहा है. आरोप है कि इस व्यक्ति ने एक मुस्लिम महिला को भी नारे लगाने के लिए कहा. इसके बाद कुछ लोगों ने जब लगातार शख्स को ऐसा करते देखा तो वीडियो बनाना शुरू कर दिया. वीडियो में लोग बता रहे हैं कि खाना बांट रहे हैं और 'जय श्री राम' कहने के लिए कह रहे हैं, उसमें कुछ आपत्तिजनक नहीं है. वहीं कुछ लोग ये भी कह रहे हैं कि खाना बांटने के नाम पर ऐसे नारे लगवाना गलत है. ये भेदभाव है दूसरे धर्म के व्यक्ति पर उसे थोप नहीं सकते हैं. इस बीच हिजाब पहनी एक महिला इस बात का विरोध कर रही है कि उसे नारे लगाने के लिए कहा गया. उसका कहना है कि नारे नहीं लगाए तो उसे भगा दिया गया और खाना नहीं दिया गया. बुजुर्ग व्यक्ति खुद मान रहा है कि वह नारे लगाकर लोगों को खाना बांट रहा है, इसमें कुछ गलत नहीं है. वीडियो में देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति भंडारा बांट रहा है, जिसमें वह कतार में खड़े लोगों से कह रहा है कि जिसको खाना लेना होगा वह 'जय श्री राम' का नारा लगाएगा. जिसको 'जय श्री राम' नहीं बोलना हैस वह लाइन में नहीं आएगा. कतार में एक मुस्लिम महिला भी है, जो इस पर आपत्ति जताती है. उसे बुजुर्ग व्यक्ति भगाने लगता है और फिर दोनों में तीखी बहस होने लगती है. इस बीच वीडियो बनाने वाला शख्स हस्तक्षेप करता है जिसे महिला कहती है, "बुजुर्ग शख्स कह रहा है कि जय श्री राम बोलोगी तभी खाना दूंगा, नहीं तो भागो यहां से'' इस पर वह व्यक्ति कहता है कि जब वह बोल रहे हैं तो आप खाना मत लीजिए. 'जय श्री राम' बुलवा कर खाना दे रहे हैं तो आप मत लो. हालांकि, इस पर मिलीजुली प्रतिक्रिया भी आ रही है. वीडियो बनाने वाला शख्स लोगों की प्रतिक्रिया लेता है तो एक व्यक्ति कहता है.

अजित पवार ने विचारधारा से समझौता नहीं किया

> नवाब मलिक का बीजेपी पर बड़ा हमला

मुंबई.

चुनाव में राजनीतिक माहौल गरमा रहा है। नामांकन दाखिल होने के बाद नेताओं अब चुनाव प्रचार में जुट गए है। दोनों प्रमुख गठबंधनों में सीट शेयरिंग को लेकर रस्साकशी अंतिम समय तक चली। कौन सा दल कितनी सीटों लड़ेगा इसका ऐलान नहीं हुआ। सभी दलों ने एक-एक कर अपने प्रत्याशियों की लिस्ट जारी करना शुरू कर दिया था। बावजूद इसके अब भी विवाद खत्म नहीं हुआ है। महायुति में शामिल बीजेपी, एनसीपी और शिवसेना में कई सीटों पर विवाद की स्थिति अब बनी हुई है।बीजेपी लगातार एनसीपी नेता नवाब मलिक की उम्मीदवारी का विरोध करती रही। इधर नवाब मलिक ने टिकट नहीं मिलने के स्थिति में मंलगवार को दो नामांकन दाखिल कर दिए थे। हालांकि कुछ देर बाद एनसीपी ने उन्हें उम्मीदवारी देने की घोषणा कर दी। इधर महायुति में शामिल एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने सुरेश पाटिल को मानखुर्द शिवाजी नगर से टिकट दे दिया।मुंबई बीजेपी के अध्यक्ष आशीष शेलार ने नवाब मलिक को मानखुर्द शिवाजी नगर से उम्मीदवारी देने के बाद कहा कि बीजेपी उनके लिए प्रचार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि हम शिवसेना के सुरेश पाटिल का समर्थन करेंगे। इसके बाद नवाब मलिक ने बीजेपी पर निशाना साधा है। नवाब मलिक ने कहा कि "जिस निर्वाचन क्षेत्र से एनसीपी ने मुझे मैदान में उतारा है, मानखुर्द शिवाजी नगर, वहां शिवसेना के उम्मीदवार सुरेश पाटिल हैं। भाजपा उनका समर्थन कर रही है। मेरी बेटी के निर्वाचन क्षेत्र में भी यही स्थिति है। इसलिए, अगर भाजपा या शिवसेना का शिंदे गुट मेरा विरोध कर रहा है, तो यह हमारे लिए चिंता की बात नहीं है। नवाब मलिक ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि "जहां तक भाजपा का सवाल है, अजित पवार ने उनके साथ राजनीतिक समझौता कर लिया है। एनसीपी और नवाब मलिक ने विचारधारा से समझौता नहीं किया हैं। हमारी विचारधारा स्पष्ट है, हम धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करते हैं।"

लोगों के आग्रह पर चुनाव लड़ रहा हूं

एनसीपी नेता नवाब मलिक ने कहा कि "दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में, हमें भारी बहुमत मिलेगा। मैं लोगों के आग्रह पर मानखुर्द शिवाजी नगर से चुनाव लड़ रहा हूं। लोगों ने मुझे चुनाव में आमंत्रित किया है। चाहे बीजेपी हो या शिवसेना, जो मेरा विरोध करे, लोगों का विश्वास और समर्थन हमारे साथ है। हम दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में जीतेंगे।यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र में अजित पवार के बिना कोई सरकार नहीं बन सकती और वे विचारधाराओं के साथ समझौता नहीं किया जा सकता।

राष्ट्रपति ने दी दीपावली की बधाई

नई दिल्ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को दिवाली की पूर्व संध्या पर नागरिकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह त्योहार वंचितों और जरूरतमंदों की मदद करने और उनके साथ खुशियां बांटने का भी अवसर है।

उन्होंने कहा कि दिवाली के पावन अवसर पर, हमें अपनी अंतरात्मा को प्रकाशित करना चाहिए, प्रेम और करुणा के गुणों को अपनाना चाहिए और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना चाहिए। वहीं राष्ट्रपति भवन की तरफ से जारी एक संदेश में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि दिवाली खुशी और उत्साह का त्योहार है।उन्होंने कहा, यह त्योहार अज्ञान पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। भारत और विदेशों में कई समुदाय इस त्योहार को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार एक उज्जवल भविष्य की आशा भी जगाता है।राष्ट्रपति मुर्मू ने देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा, आइए हम भारत की गौरवशाली विरासत पर गर्व करें। अच्छाई में विश्वास के साथ, आइए हम प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाएं और एक स्वस्थ, समृद्ध और जिम्मेदार समाज केनिर्माण का संकल्प लें।

गैजेट से सेहत का कनेक्शन...

कोरोनाकाल में 90% बढ़ गया गैजेट का यूज, यह कई बीमारियों की वजह

ग्लोबल लेवल पर गैजेट का यूज टाइम 90% तक बढ़ गया है। डिजिटल डिवाइस के बहुत ज्यादा इस्तेमाल से आंखों में थकान, पीठ दर्द और वजन बढ़ने जैसी समस्याएं हो रही हैं। इसका बुरा असर न केवल लोगों के शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। अमेरिका में हुई एक स्टडी में इसका खुलासा हुआ है।

टेक्सास यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. जॉन डी केरी कहते हैं कि सोशल मीडिया या डिजिटल डिवाइस के इस्तेमाल को एक दिन के लिए भी रोकना बहुत मुश्किल है। सोशल मीडिया एक दूसरे के साथ जुड़े रहने, सूचना साझा करने, मनोरंजन मुहैया कराने में मदद करता है। इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। हालांकि, उस पर बहुत ज्यादा समय बिताना भी नशे की लत की तरह है। उससे हम प्रभावित होते हैं और इसका नकारात्मक प्रभाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है।

डिजिटल विजन सिंड्रोम का खतरा : डिजिटल विजन सिंड्रोम एक ऐसी समस्या है, जिसमें आंख कमजोर होने लगती है। इस सिंड्रोम के चलते मानसिक और शारीरिक समस्याएं भी होने लगती हैं। इसकी एक ही वजह है और वह है जरूरत से ज्यादा गैजेट का इस्तेमाल।

गैजेट टाइम कम करने के 5 तरीके

- बेडरूम से टीवी या कम्प्यूटर हटा दें : स्टडी के मुताबिक, बेड पर लेट कर लोग गैजेट का सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। इसके चलते लोगों की स्लीपिंग हैबिट भी डैमेज हो रही है। साथ ही गैजेट यूज टाइम में इजाफा हो रहा है। इसलिए बेडरूम से टीवी या कंप्यूटर को हटा कर हम इससे काफी हद तक बच सकते हैं।
- गैजेट पर काम के वक्त खाने की आदत से बचें: अमेरिकी हेल्थ एक्सपर्ट जेम टैरिन कहती हैं कि खाना खाते वक्त गैजेट के इस्तेमाल के कई नुकसान हैं। ऐसा करने वाले खाने पर कंसन्ट्रेट नहीं कर पाते। ऐसे लोगों का खाते वक्त जो जेस्चर रहता है, वह खाना चबाने और निगलने के लिए ठीक नहीं माना जाता।
- प्लान के तहत ही गैजेट का इस्तेमाल करें: गैजेट यूज करने का एक प्लान होना चाहिए। काम के वक्त तो सभी गैजेट यूज करते हैं, इसके अलावा आप कब-कब और कितने टाइम गैजेट यूज करेंगे, इसे प्लान कर लें। ऐसा करके आप जरुरत से ज्यादा गैजेट
- गैजेट टाइम और फिजिकल एक्टिविटी में बैलेंस बनाएं : एक्सपर्ट्स के मुताबिक, गैजेट इस्तेमाल करना उतना खतरनाक नहीं है, जितना उसके चलते फिजिकल एक्टिविटी को मिस करना है। इस बात का विशेष ध्यान देना चाहिए कि आप कितनी देर गैजेट इस्तेमाल कर रहे हैं और कितनी देर फिजिकल एक्टिविटी कर रहे हैं। गैजेट टाइम और फिजिकल एक्टिविटी में बैलेंस बनाकर आप इसके नुकसान से बच सकते हैं।
- स्क्रीन टाइम को 2 घंटे तक सीमित करें : गैजेट में सबसे ज्यादा लोग मोबाइल और लैपटॉप का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप भी उनमें से हैं, जिनका गैजेट यूज जरूरत से ज्यादा है, तो इसे कम करने की शुरूआत आप स्क्रीन टाइम से कर सकते हैं।

सर्दियों के एनर्जी बूस्टर....

थकान रहती है तो डाइट में ये 5 चीजें लें, खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे

सर्दी के दिनों में शरीर में एनर्जी का लेवल कम हो जाता है। वैज्ञानिक इसका एक कारण सूरज की रोशनी से मिलने वाले विटामिन-डी को बताते हैं। साउथर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी की रिसर्च कहती है, सर्दियों में इंसान बाहर कम निकलता है। सूरज की रोशनी से सामना कम होता है। नतीजा, शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन अधिक रिलीज होता है। शरीर में इसकी मात्रा अधिक होने पर इंसान थका हुआ महसूस करता है। क्लीनिकल न्यूट्रीशनिस्ट सुरभि पारीक कहती हैं, मौसम में बदलाव होने पर शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्तर बदलता है। जिसका असर नींद और इंसान के मूड पर पड़ता है। इस दौरान इंसान को शरीर के अंदर एनर्जी की कमी महसूस होती है। इससे जूझ रहे हैं तो ऐसी चीजें खानी चाहिए जो तुरंत एनर्जी दें और थकान को दूर करें।

जानिए ऐसे फूड जो एनर्जी को बूस्ट करने का काम करते हैं....

केला : तुरंत एनर्जी चाहिए तो केला सबसे बेहतर विकल्प है। इसमें कार्बोहाइड्रेट के अलावा पोटैशियम और विटामिन-बी6 है, जो आपकी एनर्जी के लेवल को बढ़ाता है। यह आपको मानसिक तौर पर रिलैक्स करता है और डिप्रेशन से जूझ रहे हैं तो इसे कंट्रोल करने में मदद करता है।

कॉफी : कॉफी में मौजूद कैफीन तेजी से ब्लड में मिलकर आपके दिमाग तक पहुंचता है। यह एपिनेफ्रीन हार्मोन का लेवल बढ़ाता है। नतीजा, इंसान खुद को एनर्जेटिक महसूस करता है। एक्सपर्ट के मुताबिक, दिनभर में एक या दो कप से अधिक कॉफी न लें।

अंडा: प्रोटीन से भरपूर अंडा एनर्जी देने के साथ विटामिन-बी की कमी भी पूरी करता है। एक उबले अंडे से आपको दिनभर की जरूरत का 40 फीसदी विटामिन-डी मिलता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और ओमेगा-3 आंखों की सेहत के लिए फायदेमंद है।

डॉर्क चाकलेट : मिल्क चॉकलेट के मुकाबले डार्क चॉकलेट में कोको अधिक पाया जाता है। इसमें ऐसे एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो बॉडी में ब्लड का सकुर्लेशन बढ़ाते हैं। ब्रेन और मसल्स में ऑक्सीजन का लेवल भी बढ़ता है। इस तरह दिमागी थकान दूर होती है और आप बेहतर महसूस करते हैं।

सेब : सेब को फायबर और शुगर का अच्छा सोर्स माना जाता है। 100 ग्राम सेब में 14 ग्राम काबोर्हाइड्रेट, 10 ग्राम शुगर और 2.1 ग्राम फायबर होता है। शुगर और फायबर होने के कारण यह लगातार एनर्जी देता रहता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स काबोर्हाइड्रेट का पाचन धीमा करते हैं, जिससे लम्बे समय एनर्जी मिलती रहती है।

ग्लोबल स्मार्टफोन मार्केट में सैमसंग टॉप पर

ग्लोबल स्मार्टफोन मार्केट में साउथ कोरियाई कंपनी सैमसंग टॉप पोजीशन पर है। काउंटरपॉइंट की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 में सैमसंग ने दुनियाभर में कुल 25.57 करोड़ स्मार्टफोन बेचे। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 19% रही हालांकि ग्रोथ में 14% में गिरावट दर्ज की। एपल दूसरे स्थान पर रही। सबसे तेज 65% की ग्रोथ रियलमी में रही।

बिक्री में 14% गिरावट के बावजूद सैमसंग सबसे आगे: रिपोर्ट के मुताबिक, फेस्टिव तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर अवधि) में सैमसंग ने 6.25 करोड़ फोन बेचे। मिड-टू-लो-एंड-प्रोडक्ट लाइनअप गैलेक्सी ए-सीरीज ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। दुनियाभर में कुल 133.25 करोड़ स्मार्टफोन बिके, हालांकि इसमें 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

चौथी तिमाही में एपल की बिक्री में 3% की ग्रोथ : ग्लोबल स्मार्टफोन बाजार 2020 की चौथी तिमाही में सालाना 1% की गिरावट रही। हालांकि, माह-दर-माह इसमें 8% की वृद्धि हुई। चौथी तिमाही में 21 फीसदी हिस्सेदारी के साथ एपल टॉप पर है। इसकी बिक्री में 13% की ग्रोथ रही। रिसर्च एनालिस्ट अमन चौधरी ने बताया गौर करने वाली बात यह है कि बाजार में फीचर फोन से स्मार्टफोन पर काफी लोग शिफ्ट हुए हैं क्योंकि डिवाइस एजुकेशन, वर्क और एंटरटेनमेंट का प्रमुख माध्यम बन गया है। सैमसंग ने इस दौरान 8.19 करोड़ फोन बेचे जबकि 6.25 करोड़ के साथ सैमसंग दूसरे स्थान पर रही। शाओमी ने चौथी तिमाही में कुल 4.3 करोड़ फोन बेचे।

पिछले साल भारत में बिके 15 करोड़ से ज्यादा स्मार्टफोन : काउंटरपॉइंट ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 2020 में भारत में 15 करोड़ से ज्यादा स्मार्टफोन बिके। इसमें 4% की गिरावट रही। सबसे ज्यादा डिमांड पोस्ट लॉकडाउन पीरियड में देखी गई। गौर करने वाली बात यह है कि साल के अंत तक एंटी चाइना सेंटीमेंट कम हो गया और 75% मार्केट शेयर चीनी ब्रांड्स का कब्जा रहा।

अब स्मार्ट फेस मास्क भी ...

नए फीचर्स के साथ सुर्खियों में आया हेजल मास्क

आउटडोर गेम में कर पाएंगे इस्तेमालइसी महीने खत्म हुए कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो में कई तरह के फेस मास्क पेश किए गए थे। इनमें से एक अमेरिकी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी रेजर ने भी पेश किया था। इस कॉन्सेप्ट मास्क को प्रोजेक्ट हेजल का नाम दिया गया है। अब इस मास्क से जुड़ी नई जानकारी सामने आई हैं। नई जानकारी के मुताबिक, ये एन95 क्लास फेस मास्क है। इसे गेमिंग पर्पज से भी तैयार किया जा रहा है। यानी इसे लगाकर आप आउटडोर गेम्स खेल पाएंगे। मास्क की वजह से सांस लेने में कोई तकलीफ नहीं होगी। इसे वेंटिलेशन फंक्शन के साथ डिजाइन किया जा रहा है। कंपनी का दावा है मास्क के अंदर सांसों से बनने वाली गर्म हवा वेंटिलेशन की मदद से बाहर जाएगी और बाहर की शुद्ध हवा अंदर आएगी।

हैंड्सफ्री कॉलिंग कर पाएंगे : मास्क में इनबिल्ट माइक के साथ एम्पलीफायर भी मिलेगा। यानी मास्क को आप अपने स्मार्टफोन से कनेक्ट कर पाएंगे। इसके बाद कॉल आने पर आपको मास्क निकालने की जरूरत नहीं होगी। आप हैंड्सफ्री कॉलिंग कर पाएंगे। बात सुनने के लिए इसमें स्पीकर भी मिलेंगे। यूवी लाइट वाला रिचार्जेबल बॉक्स : कंपनी मास्क के साथ एक बॉक्स देगी। इस बॉक्स में रखकर ही मास्क को चार्ज कर पाएंगे। बॉक्स के अंदर यूवी स्टेरिलाइजर लाइट दी गई हैं। जो मास्क को सैनिटाइज करेंगी। हालांकि, ये मास्क कितनी देर में चार्ज होगा इस बारें कंपनी ने कुछ नहीं बताया है।

मास्क का फ्रंट ट्रांसपेरेंट होगा : इस मास्क के फ्रंट हल्क ब्लैक कलर का ग्लास मिलेगा, जो ट्रांसपेरेंट होगा। इसके अंदर लाइट दी हैं और लो लाइट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। अंधेरा होने पर जब इन लाइट को ऑन किया जाएगा तब मास्क के अंदर से चेहरा साफ दिखाई देगा। बातचीत के दौरान मुंह नजर आएगा। ताकि कन्वर्शेसन बेहतर हो पाए। इन लाइट्स को ऑन करने के लिए ऑटो मोड भी मिलेगा।

टेक क्षेत्र में भारत की बड़ी उपलब्धि...

गूगल को टक्कर देने इसके दो पूर्व भारतीय कर्मचारियों ने बनाया एड फ्री सर्च इंजन नीवा

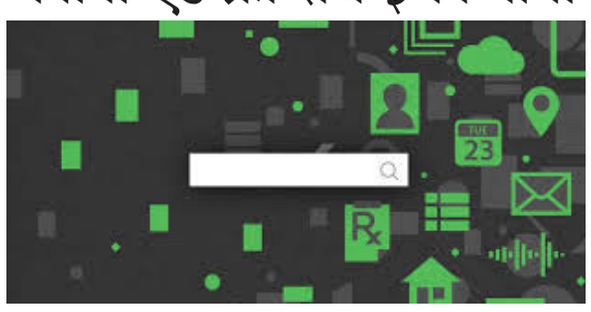

गूगल के विकल्प के तौर पर जल्द ही दो भारतीयों का बनाया एक नया सर्च इंजन मिलने वाला है। आईआईटी के पूर्व छात्र और गूगल के एक्स-एम्पलाई रहे श्रीधर रामास्वामी और विवेक रघुनाथन इस साल एड-फ्री और प्राइवेट सर्च प्रोडक्ट के तौर पर नीवा सर्च इंजन लॉन्च करेंगे। यह एक पेड प्रोडक्ट होगा। रामास्वामी ने बताया कि समय के साथ कंपनियों पर ज्यादा से ज्यादा एड दिखाने का दवाब बढ़ा है, जो वास्तव में यूजर्स नहीं चाहते हैं। इसलिए हमारी थीसिस यह है कि हम एक बेहतर सर्च प्रोडक्ट बनाए, जो केवल ग्राहक की जरूरतों पर फोकस करता हो। इस मुद्दे को रामास्वामी अच्छी तरह से समझते हैं, क्योंकि वे गूगल में एड और कॉमर्स के सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट रहे हैं। अपनी ट्रेवल, शॉपिंग और सर्च इंफ्रास्ट्रक्चर टीम भी चलाते हैं। रघुनाथन ने ककळ मुंबई में पढ़ाई की और पहले यूट्यूब पर मोनिटाइजेशन के वाइस प्रेसिडेंट थे। इसी तरह, विवेक गूगल असिस्टेंट के पहले टेक लीड थे। विवेक आईआईटी चेन्नई से ग्रैजुएट हैं। 273 करोड़ रुपए का फंड जुटा चुकी है कंपनी : अमेरिका में नीवा की 45 लोगों की टीम है और कंपनी इसे चार-पांच महीने में रोलआउट करने की योजना बना रही है। सबसे पहले इसे अमेरिका में और फिर पश्चिमी यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और भारत में रोल आउट किया जाएगा। रामास्वामी कहते हैं कि हमारे पास इंजीनियरों, डिजाइनरों और प्रोडक्ट मैनेजरों और बैकर्स की एक बड़ी टीम है। ग्रेलॉक, सिकोइया कैपिटल और रामास्वामी ने स्वयं के निवेश से नीवा ने अब तक 37.5 मिलियन डॉलर (273 करोड़ रुपए) का फंड जुटाया है।

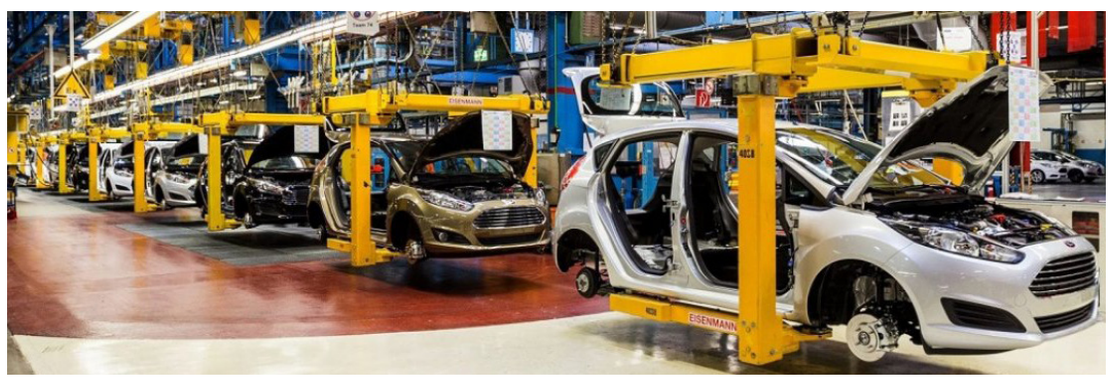

हुंडई इस साल रिकॉर्ड 10 लाख कारें बनाएगी, 30 फीसदी निर्यात की तैयारी

साल 2021 से हुंडई को काफी उम्मीदें हैं, कंपनी भी इस मौके को भुनाने की तैयारी में है। हुंडई मोटर ग्रुप भारत ने अपने दो ब्रांड (हुंडई और किआ) में लगभग 10 लाख यूनिट बनाने की योजना बना रहा है। अगर ऐसा होता है तो प्रोडक्शन के हिसाब से हुंडई के लिए यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था को देखते हुए कंपनी सेल्स पर दांव लगा रही है। किआ के लिए 2.90 लाख कारें बनाएगा ग्रुप : दक्षिण कोरियाई समूह ने हुंडई ब्रांड के लिए 7 लाख या उससे अधिक कारें और किआ ब्रांड के लिए 2.50-2.90 लाख कारें बनाने की योजना बनाई है। यदि इन आंकड़ो पर गौर किया जाए, तो भारत में हुंडई समूह के लिए सबसे अधिक सालाना प्रोडक्शन होगा। हुंडई का यह फैसला तेजी से बढ़ते एसयूवी सेगमेंट में मारुति सुजुकी पर अपनी बढ़त बनाए रखने में मदद करेगा।

कोविड-19 वैक्सीन के आने के बाद से उभोक्ताओं में खरीदारी की भावना बढ़ी है। वहीं तेजी से रिकवर होती अर्थव्यवस्था से ऑटो निमार्ताओं को भी बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार प्रोडक्शन का लगभग 30% निर्यात किया जा सकता है। फिलहाल खुद के वाहन की प्राथमिकता भी कुछ समय तक बनी रहने की उम्मीद है। इसलिए, ज्यादातर कंपनियों ने अपना प्रोडक्शन बढ़ाने पर विचार कर रही है, जो लगभग 2018-19 या उससे अधिक के स्तर को छू रहा है। ऑटो उद्योग के अधिकारियों ने शुरू में सोचा था कि 2018 के स्तर तक पहुंचने के लिए कम से कम तीन साल लगेंगे लेकिन अब लगता है कि रिकवरी तेजी से होगी। मारुति सुजुकी भी प्रोडक्शन बढ़ाने की तैयारी में : मारुति सुजुकी ने अपने सप्लायर्स को वित्तवर्ष-22 में रिकॉर्ड 20 लाख आउटपुट के लिए तैयारी करने के लिए कहा है। हुंडई ने दो ब्रांड्स से वाहन बेचने और भारत में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की अपनी रणनीति के तहत अगस्त 2019 में किआ ब्रांड को पेश किया। रणनीति ने काम किया और इसकी कॉम्पैक्ट और मिड-साइज एसयूवी सोनट और सेल्टोस की बिक्री बढ़ी।

मारुति सुजुकी अर्टिगा को टक्कर देने के लिए किआ एक एमपीवी भी लॉन्च कर सकती है। यदि सबकुछ ठीक रहा, तो किआ 2021 में अपने आंध्र प्रदेश कारखाने की पूरी क्षमता का उपयोग करने में सक्षम हो जाएगी। सियाम के आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर से नौ महीनों में, हुंडई और किआ जिनके पास एक शेयर्ड ऑनरशिप स्ट्रक्टर है, ने एसयूवी बाजार की 35.95% हिस्सेदारी हासिल की, जबकि सुजुकी के पास 22.4% थी।

एपल की न्यू मैकबुक होगी कमाल की...

2021 मॉडल को पतला और हल्का बनाया जाएगा, मैगसेफ चार्जिंग भी मिलने की उम्मीद

एपल इस साल स्लिम डिजाइन वाला मैकबुक एयर लॉन्च करेगी। कंपनी के मुताबिक, ये मैकबुक ज्यादा पतला और हल्का होगा। इसका वजन 1.29 किलोग्राम और मोटाई 0.63-इंच हो सकती है। इसमें नए एमआई प्रोसेसर का इस्तेमाल किया जाएगा। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में मुताबिक, इसे साल की दूसरी छमाही में लॉन्च किया जा सकता है। इसमें मैगसेफ चार्जिंग भी मिलने की उम्मीद है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें 13-इंच स्क्रीन मिलेगी जिसके आसपास पतले बेजल का इस्तेमाल किया जाएगा। इस बार की मैकबुक को कई सालों तक अपग्रेड कर पाएंगे।

2021 मैकबुक के फीचर्स : ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट की मुताबिक, 2021 मैकबुक एयर मॉडल में मैगसेफ चार्जिंग फीचर मिलेगा। कंपनी ने इससे पहले 2018 मॉडल में यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग की सुविधा दी थी। नए मॉडल में दो यूएसबी 4.0 पोर्ट मिलेंगे। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि ये सबसे महंगी मैकबुक हो सकती है। मैकबुक प्रो मॉडल मे एसडी कार्ड स्लॉट भी मिल सकता है। इससे वीडियो एडिटर्स के लिए आसानी हो जाएगी। कंपनी 2016 तक मैकबुक प्रो के मॉडल में एसडी कार्ड स्लॉट देती थी। रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया है कि नए मैकबुक में सेलुलर कनेक्टिविटी और फेस आईडी जैसे फीचर्स नहीं मिलेंगे। फेस आईडी फीचर देने के लिए कंपनी को अभी और काम करना होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि मैकबुक एयर 15-

इंच स्क्रीन साइज तक लॉन्च किए जा सकते हैं। यानी मैकबुक में आईपीएस टेक्नोलॉजी वाला एलईडी बैकलिट डिस्प्ले मिल सकता है।

क्या है मैगसेफ डुओ चार्जर?

मैगसेफ, आईफोन 12 सीरीज का एक नया फीचर है। पुराने 29 वॉट यूएसबी-सी पावर एडॉप्टर, मैगसेफ डुओ के साथ काम नहीं करते। ये एडॉप्टर, 5बी/ 3ए या 9वी /1.67ए पावर रेटिंग्स का समर्थन नहीं करता। जब आप मैगसेफ डुओ को 29 वॉट एडॉप्टर से जोड़तें हैं, तो यह आईफोन 12 और एपल वॉच दोनों डिवाइसों में से एक ही को चार्ज कर सकता है।

डॉन ब्रैडमैन को फेल कर रहा यह भारतीय खिलाड़ी

> शशि थरूर ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली.

कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर क्रिकेट के बहुत बड़े फैन हैं और समय-समय पर अपने पसंदीदा क्रिकेटरों के सपोर्ट में बयान देते रहे हैं. कुछ दिन पहले ही उन्होंने संजू सैमसन का जोरदार स्वागत किया था, जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ शानदार शतक लगाया था. अब उन्होंने सोशल मीडिया पर एक डोमेस्टिक क्रिकेटर के सपोर्ट में बहुत बड़ा बयान दिया है. दरअसल शशि थरूर अग्निदेव चोपड़ा का जिक्र कर रहे हैं, जो फेमस भारतीय लेखक और पत्रकार अनुपमा चोपड़ा के बेटे हैं. शशि थरूर ने के माध्यम से निराशा जताते हुए बताया कि अग्निदेव चोपड़ा का फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में औसत 99 से अधिक है. इसके बावजूद इंटरनेट पर उनके बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है. उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, "मैं अक्सर भारतीय डोमेस्टिक क्रिकेट के तथ्य जानने के लिए इंटरनेट पर आता रहता हूं. इस बार मुझे ऐसा भारतीय बल्लेबाज मिला है जिसका 9 फर्स्ट-क्लास मैचों में औसत 99.06 का है. वो 17 पारियों में 8 शतक और चार फिफ्टी लगा चुके हैं. इस खिलाड़ी का नाम अग्निदेव चोपड़ा है. अग्निदेव चोपड़ा का जन्म अमेरिका के डेट्रोइट शहर में हुआ था और भारतीय डोमेस्टिक क्रिकेट में मिजोरम के लिए खेलते हैं. अग्नि बाएं हाथ से बैटिंग करते हैं और दायें हाथ से ऑफ-स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं.

क्रिस्टियानो रोनाल्डो दूसरे हाफ के गोल करने से चूके

नई दिल्ली. क्रिस्टियानो रोनाल्डो दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में मिली पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए जिससे अल नासर को अल तावौन से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा और उनकी टीम सऊदी अरब के घरेलू फुटबॉल टूर्नामेंट किंग्स कप से बाहर हो गई। पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो ने लगभग दो साल पहले अल नासर के साथ अनुबंध किया था लेकिन वह अभी तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। सऊदी अरब की प्रमुख नॉकआउट प्रतियोगिता के राउंड ऑफ 16 चरण के मैच में अल तावौन ने 20 मिनट शेष रहते हुए वलीद अल अहमद के हेडर पर किए गए गोल की मदद से बढ़त बना ली।

अंजुमन हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज ने चंद्रपुर में सेपकटकराव चैंपियनशिप जीती

नागपुर.

सदर में स्थित अंजुमन हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज ने चंद्रपुर में आयोजित शालेय इंटर-स्कूल डिवीजन सेपकटकराव चैंपियनशिप अंडर-19 में जीत हासिल की है जबकि अंडर-17 टीम उपविजेता रही। अंडर-19 टीम ने असाधारण कौशल, स्फूर्ति और टीम वर्क का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कड़े मुकाबले में चैंपियन के रूप में अपना स्थान सुरक्षित किया। खिलाड़ियों में मुहम्मद ताहा खतीब, सैयद उमर, मोहताशिम अहमद, सैयद अबूबकर अली और अरसलान अंसारी ने शानदार कौशल और टीम वर्क का प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप हासिल की। वे अब राज्य चैंपियनशिप के लिए जलगांव की ओर रवाना होंगे।

प्रशासक जेड.ए. हक़ ने विशेष रूप से टी मों के असाधारण प्रयासों की प्रशंसा की है। अ नीस अहमद (सीईओ, एएचआई) , अहमद सैय्यद (सलाहकार जनरल एडमिनिस्ट्रेशन, एएचआई), तनवीर मिर्ज़ा, तहसीन मिर्जा, प्रिंसिपल श्रीमती राबिया अंजुम, उप प्रिंसिपल मोहम्मद जावेद और सुपरवाइज़र सफ़िया बेगम ने भी टीमों की प्रशंसा कर उन्हें बधाई दी। सहायक कोच श्रीमती कौसर, श्री मुस्तफीज अहमद और श्री सोहेल ने जीत में योगदान दिया। स्टाफ सदस्यों ने टीमों को उनकी सफलता पर बधाई दी।

कर्स्टन के इस्तीफे से मचा बवाल

नई दिल्ली. गैरी कर्स्टन ने सोमवार को पाकिस्तान की वनडे और टी20 टीम के कोच पद से अचानक इस्तीफा देकर सभी को हैरान कर दिया। इस बीच, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मोहम्मद मसरूर को नई जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें फील्डिंग कोच नियुक्त किया गया है।

पीसीबी ने स्थानीय प्रथम श्रेणी खिलाड़ी मोहम्मद मसरूर को आस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिये राष्ट्रीय टीम का फील्डिंग कोच बनाया है। अपनी बेहतरीन फील्डिंग के लिए मशहूर रहे मसरूर को तीन दौरों के लिए अनुबंधित किया गया है। वह इंग्लैंड के खिलाफ पिछले दो टेस्ट में टीम के साथ रहे थे।

टेस्ट सीरीज से पहले दबाव में पैट कमिंस

> ऑस्ट्रेलियाई कप्तान का बड़ा बयान

नई दिल्ली.

पैट कमिंस अभी तक भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला जीतने वाली टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान यह महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम पर दर्ज करने के लिए बेताब हैं। कमिंस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे विश्व कप के फाइनल में भारत को हराकर खिताब जीते थे। उनकी अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया ने एशेज भी अपने नाम की लेकिन वह कभी भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए हैं।

कमिंस ने मंगलवार को अपनी किता आईपीएल 2025 में करेंगे कप्तानी ब के विमोचन के अवसर पर कहा,''यह (भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में जीत) वह महत्वपूर्ण चीज है जिसे मैं अपने नाम पर जोड़ना चाहता हूं। विशेष कर घरेलू धरती पर ऐसा करना महत्वपूर्ण होता है।

जब भी हम घरेलू धरती पर खेलते हैं तो मेरी तरह ऑस्ट्रेलिया के अधिकतर क्रिकेट प्रेमी हमसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं।'' भारत एकमात्र ऐसी टीम है जिसे ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पिछली 16 टेस्ट श्रृंखलाओं में नहीं हराया है। उसकी टीम 2014-15 से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। इस बीच भारत में चार बार यह ट्रॉफी जीती।

गनी के शतक के बावजूद हारा बिहार

नई दिल्ली.

> कर्नाटक की पहली जीत

सकीबुल गनी के जुझारू शतक के बावजूद बिहार को मंगलवार को पटना में कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले के चौथे और अंतिम दिन आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कर्नाटक को सत्र की पहली जीत से छह अंक मिले और उसकी नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीदें बेहतर हुईं। कर्नाटक ने पहली पारी सात विकेट पर 287 रन पर घोषित करते हुए 144 रन की बढ़त हासिल की।

बिहार की टीम इसके जवाब में गनी (130) और बाबुल कुमार (44) के बीच तीसरे विकेट की 130 रन की साझेदारी के बावजूद दूसरी पारी में 212 रन पर सिमट गई। गनी ने 194 गेंद का सामना करते हुए 15 चौके और चार छक्के मारे। गनी और बाबुल के अलावा जितिन यादव (15) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। कर्नाटक की ओर से श्रेयस गोपाल ने 70 रन देकर चार जबकि विजय कुमार विशाक ने 44 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

कर्नाटक को 69 रन का लक्ष्य मिला और उसने सलामी बल्लेबाज निकिन जोस (नाबाद 28) और अभिनव मनोहर (नाबाद 17) की पारियों ने दो विकेट पर 70 रन बनाकर जीत दर्ज की। इंदौर में रजत पाटीदार ने 102 गेंद में 159 रन की पारी खेली लेकिन इसके बावजूद मध्य प्रदेश को हरियाणा के खिलाफ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। हरियाणा ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए और वह ग्रुप सी में 13 अंक के साथ शीर्ष पर है। उसके क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर मौजूद केरल और कर्नाटक से पांच अंक अधिक हैं। पहली पारी में 132 रन से पिछड़ने के बाद मध्य प्रदेश ने दूसरी पारी चार विकेट पर 308 रन बनाकर घोषित की। पाटीदार ने इस दौरान सिर्फ 68 गेंद में शतक पूरा किया।

हरियाणा को कम होती रोशनी के बीच 177 रन का लक्ष्य मिला जिसके जवाब में टीम ने जब तीन विकेट पर 113 रन बनाए तो दोंनो कप्तान मैच ड्रॉ कराने पर सहमत हो गए। मुल्लांपुर में उत्तर प्रदेश ने पंजाब के खिलाफ पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। पंजाब को एक अंक मिला। पंजाब के 210 रन के जवाब में उत्तर प्रदेश ने पहली पारी 9 विकेट पर 556 रन बनाकर घोषित की थी।

पंजाब ने 346 रन से पिछड़ने के बाद जसकरणवीर सिंह पॉल (नाबाद 115) और पुखराज मान (91) की पारियों से दूसरी पारी में तीन विकेट पर 267 रन बनाए जिसके बाद मैच को ड्रॉ घोषित किया गया। कोलकाता में केरल और बंगाल दोनों की पहली पारी खत्म नहीं हो पाने के कारण दोनों टीम को एक-एक अंक मिला। केरल ने पहली पारी 9 विकेट पर 356 रन बनाकर घोषित की थी जिसके जवाब में बंगाल ने पहली पारी में तीन विकेट पर 181 रन बनाए।

केएल राहुल का पत्ता साफ

आईपीएल 2025 में ये खिलाड़ी संभालेगा कमान

नई दिल्ली.

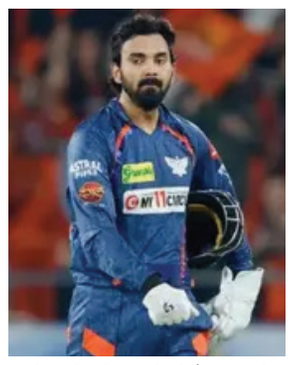

दुनिया की सबसे लोकप्रिय और बड़ी टी 20 लीग आईपीएल के आगामी सीजन को लेकर फैंस काफी बेताब हैं। वहीं आईपीएल से पहले होने वाले मेगा ऑक्शन का भी बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है, क्योंकि इस बार बड़े उलटफेर देखने को मिल सकते हैं। जानकारी के मुताबिक नवंबर के आखिरी हफ्ते में किसी मिडिल ईस्ट देश या सिंगापुर में आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन का आयोजन हो सकता है। मेगा ऑक्शन में बेशक अभी समय है, लेकिन रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट जारी करने में अब 2 दिन और बाकी हैं। सभी आईपीएल फ्रेंचाइजियों को 31 अक्टूबर तक रिटेन प्लेयर्स की लिस्ट जारी करने की मंजूरी दी है। इस बीच बड़ी जानकारी आ रही है। भारत के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल का लखनऊ सुपर जायंट्स अब लगभग साफ माना जा रहा है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक केएल राहुल का छोड़ना तय है, जो पिछले सीजन तक टीम के कप्तान थे।

आईसीसी की रैंकिंग में बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली.

> बुमराह से छिन गया नंबर-1 का ताज

भारत और न्यूजीलैंड की टीमों के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है. इस रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है. भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से टेस्ट में नंबर-1 बॉलर का ताज छिन गया है. न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में उनका प्रदर्शन अभी तक कुछ खास नहीं रहा है, जिसके चलते साउथ अफ्रीका का एक गेंदबाज उनसे आगे निकल गया है. इस अफ्रीकी गेंदबाज ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ कमाल का खेल दिखाया था.

जसप्रीत बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में एक भी विकेट नहीं मिला था, इसका नुकसान उन्हें ताजा टेस्ट रैंकिंग में उठाना पड़ा है. वह अब पहले नंबर से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं. वहीं, साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा अब टेस्ट के नए नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं. कगिसो रबाडा हाल ही में टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में गेंदों से लिहाज से सबसे तेज 300 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे, अब उन्हें इसका इनाम आईसीसी की ओर से टेस्ट रैंकिंग में मिल गया है.

साउथ अफ्रीका की टीम इस समय बांग्लादेश के दौरे पर है. दोनों टीमों के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है. इस सीरीज के पहले मैच में साउथ अफ्रीका की टीम ने बाजी मारी थी. इस जीत के हीरो कगिसो रबाडा ही रहे थे. कगिसो रबाडा ने मुकाबले में कुल 9 विकेट हासिल किए थे. उन्होंने मैच की पहली पारी में कुल 3 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया था और फिर दूसरी पारी में 6 विकेट चटकाए थे.

यशस्वी जायसवाल को हुआ फायदा

टीम इंडिया के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल को ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है. वह अब टेस्ट में नंबर-3 के बल्लेबाज बन गए हैं. वहीं, ऋषभ पंत को 5 स्थानों का नुकसान हुआ है. वह अब 11 नंबर पर पहुंच गए हैं. विराट कोहली भी 6 स्थान खिसक कर 14वें नंबर पर आ गए हैं. रोहित शर्मा को एक बार फिर भारी नुकसान हुआ है. वह अब 9 स्थानों का सामना करने के बाद 24वें नंबर पर आ गए हैं. इसके अलावा शुभमन गिल भी 19 से 20वें नंबर पर आ गए हैं.

कोहली के इस फैसले से बदलेगी आरसीबी की किस्मत

नई दिल्ली.

> आईपीएल 2025 में करेंगे कप्तानी

24 घंटे के अंदर ये साफ हो जाएगा कि आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले टीमों ने किन-किन खिलाड़ियों को रिटेन करने का फैसला किया है। इसमें कहीं से दो राय नहीं है कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू रिटेन करने वाली है, लेकिन कहानी में नया ट्विस्ट ये है कि आईपीएल 2025 में विराट कोहली एक बार फिर कप्तानी कर सकते हैं।

विराट कोहली ने 2013 से लेकर 2021 तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की कप्तानी की। हालांकि, वो फ्रेंचाइजी की किस्मत नहीं बदल सके और प्लेऑफ का सफर तय करने के बावजूद आरसीबी कोहली की कप्तानी में कभी चैंपियन नहीं बन सकी। 2021 में जब विराट कोहली ने कप्तानी छोड़ने का फैसला किया तो फ्रेंचाइजी ने साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी फाफ डू प्लेसिस को कप्तान बनाने का फैसला किया।

आईपीएल 2025 के लिए रिटेंशन लिस्ट जारी होने से पहले क्रिकेट फैंस के लिए बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक विराट कोहली अगले सीजन में आर आरसीबी की कप्तानी करने के लिए तैयार हो गए हैं। बता दें कि फाफ डू प्लेसिस अब 43 साल के हो गए हैं और इस लिहाज से देखें तो फ्रेंचाइजी उन्हें अगले तीन सालों तक कप्तान बनाना नहीं चाहती। यही वजह है कि विराट कोहली ने आईपीएल 2025 में कप्तानी करने के लिए हामी भर दी है लेकिन इसका फैसला ऑक्शन के बाद ही हो सकता है।

बता दें कि आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में आरसीबी उन खिलाड़ियों पर दांव लगाना चाहेगी जो लंबे समय तक टीम की कप्तानी कर सकें।

रिपोर्ट की मानें तो फ्रेंचाइजी ऋषभ पंत और केएल राहुल के पीछे भाग सकती है, लेकिन इसके लिए इन दोनों खिलाड़ियों का ऑक्शन में होना जरूरी है। अगर ऑक्शन में आरसीबी को ऐसा खिलाड़ी हाथ नहीं लगता है जो फाफ डू प्लेसिस की जगह कप्तानी का जिम्मा संभाले तो विराट कोहली दोबारा ये जिम्मेदारी संभाल सकते हैं ईएसपीएन के शो में एक्सपर्ट ने बातचीत के दौरान बताया कि विराट कोहली ने फ्रेंचाइजी के सामने अपनी दिल की बात रखी है। उन्होंने आईपीएल 2025 में आरसीबी की कप्तानी करने की इच्छा जाहिर की है। रिपोर्ट के मुताबिक कोहली ने कहा है कि अगर टीम को कोई नया कप्तान नहीं मिलता है तो वो एक सीजन में कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने अभी तक इस खबर की पुष्टि नहीं की है।

उलटा पड़ गया फिरकी की फांस

भारतीय स्पिनर की कड़ी परीक्षा ले रहे हैं न्यूजीलैंड के गेंदबाज

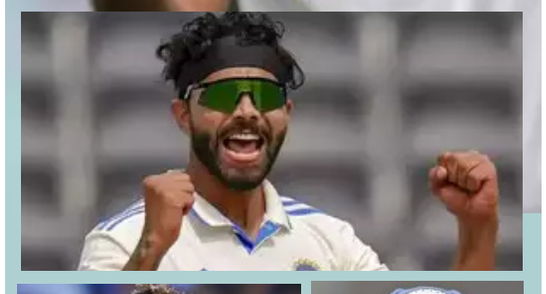

क्रिकेट के खेल में गेदबाजी का अहम रोल होता है। बल्लेबाज चाहे जितने भी रन बना लें, अगर गेंदबाज सफल नहीं रहे, तो फिर कोई भी टीम मैच नहीं जीत सकती। ऑस्ट्रेलिया हो या वेस्टइंडीज, जब ये टीमें शिखर पर थीं, तो उनके गेंदबाजों की भूमिका महत्वपूर्ण थी। लेकिन जब बात स्पिनरों की आती है, तो इस विधा में भारतीयों का ही सिक्का चलता था। कभी वेंकटराघवन, बीएस चंद्रशेखर, ईरापल्ली प्रसन्ना, अजीत वाडेकर और बिशन सिंह बेदी अपनी अंगुलियों पर दुनिया भर के बल्लेबाजों को नचाते थे। उसके बाद कुछ समय तक भारतीय टीम में अच्छे स्पिनरों की कमी आ गई थी। हालांकि इस दौरान लक्ष्मण शिवरामकृष्णन, नरेंद्र हिरवाणी और मनिंदर सिंह बीच-बीच में अपने प्रदर्शन से टीम को जिताते रहे, लेकिन स्थायी तौर पर ये लोग टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे। 90 का दशक आते-आते अनिल कुंबले नाम का ऐसा सितारा आया, जिसने टीम को जीतना सिखा दिया।

नागपुर. कुंबले से पहले टीम इंडिया के गेंदबाज 20 विकेट नहीं ले पाते थे। कुंबले ने इस कमी को पूरा किया और भारत टेस्ट क्रिकेट के अच्छी टीम के तौर पर उभरी। इसके बाद 1998 में हरभजन सिंह ने आकर भारतीय स्पिन गेंदबाजी में और भी पैनापन ला दिया। जब अनिल कुबंले ने संन्यास लिया, तो उनकी कमी को पूरा करने में हरभजन सिंह नाकाम रहे और एक बार फिर भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में स्पिनरों की भूमिका खत्म हो गई। इस दौरान लगभग तीन वर्षों तक भारतीय गेंदबाज अपनी धरती पर भी विदेशी बल्लेबाजों को आउट नहीं कर पाते थे। अब इस कमी को पूरा करने टीम में प्रज्ञान ओझा और रविचंद्रन अश्विन के तौर पर दो स्पिनर आये और कब चले गये किसी को याद भी नही। हाल के दिनों में स्पिनर के प्रदर्शन पर नजर दौड़ाई जाए, तो साफ पता चलता है कि ये लंबी रेस के घोड़े हैं। इसी को ध्यान में रखकर भारतीय टीम प्रबंधन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रणनीति भी बनाई थी। लेकिन न्यूजीलैंड से पिछले दो मैचो की शर्मनाक हार से पूरानी यादे ताजा हो जाती है अभी भी भारतीय टीम स्पिन आक्रमण का सहारा ले रही है। भारत इससे पहले भी धीमी गति के गेंदबाजों के दम पर ही अपने घरेलू सरजमीं पर कई टीमे को हरा पाया था। भारत और न्यूजीलैंड के बीच भारतीय सरजमीं पर लगातार 18 टेस्ट सीरीज जीतने का सिलसिला भी तोड़ा भारत का इस शताब्दी में अपनी धरती पर टेस्ट सीरीज में या चौथी हार है इसके पहले भारतीय टीम की 2012-13 में इंग्लैंड के हाथों हारने के बाद यह सीरीज की पहली हार है न्यूजीलैंड ने करीब 70 साल में पहली बार भारत में टेस्ट सीरीज जीती है न्यूजीलैंड टीम 1955 से यहां दौरा कर रही है लेकिन इतने सालों मे भारत के किले में सेध नही लगा सकी इस सीरिज मे न्यूजीलैंड 2-0 से जीत दर्ज की है। दिलचस्प बात यह है कि इन सभी में उसके स्पिन गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम अब आखिरी मैच मुबई मे खेलेगा फिर से स्पिन आक्रमण के सहारे पिछले मैचो की हार का बदला चुकता करने की कोशिश में है।

भारत के लिए फाइनल में जगह बनाना चुनौती पूर्ण

भारत को दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 113 रनों से भारी हार के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है भारत घरेलू मैदान पर सीरीज हारने के बाद अंक तालिका में परिवर्तन हुआ है अब भारत के लिए फाइनल में जगह बनाना चुनौती पूर्ण हो गया है भारत को कल से मुंबई में होने वाले टेस्ट को जीतना होगा, और वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाने वाले 50वा टेस्ट मैच को यादगार बनाना होगा उसके बाद भारतीय स्पिनर रविचंद्र आश्विन, अक्षत पटेल,रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव के भरोसे आगामी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस टेस्ट सीरीज में कम से कम 3-2 के अंतर से जीतना होगा ऐसा होता है तो भारत की जीत का प्रतिशत ऊपर आएगा और भारत फाइनल की रेस में बना रह सकता है?.

वॉकर ब्लैंको
ने अपने और अनन्या के रिश्ते पर लगाई मुहर

❐ फिल्म 'सीटीआरएल' स्टार अनन्या पांडे अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं. कुछ समय पहले ही खबर आई थी कि अनन्या पांडे, वॉकर ब्लैंको को डेट कर रही हैं. हालांकि अनन्या पांडे ने कभी भी इस रिश्ते के बारे में खुलकर बात नहीं की है. इसी बीच वॉकर ब्लैंको ने कुछ ऐसा कर दिया है जिसे देखकर अनन्या पांडे के फैंस चौंक गए हैं. वॉकर ब्लैंको ने जमाने के सामने अनन्या पांडे से प्यार का इतजार कर दिया है. आज अनन्या पांडे अपना जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं. इस खास मौके पर वॉकर ब्लैंको ने अनन्या पांडे के लिए एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की है. अपनी स्टोरी पर वॉकर ब्लैंको ने अनन्या पांडे की एक तस्वीर शेयर की है. इस तस्वीर पर वॉकर ब्लैंको ने लिखा, हैप्पी बर्थडे अनन्या पांडे... यू आर सो स्पेशल... आई लव यू एनी... वॉकर ब्लैंको की इस स्टोरी ने सोशल मीडिया को हिलाकर रख दिया है. लोगों को लग रहा है कि अनन्या पांडे सच में वॉकर ब्लैंको को डेट कर रही हैं. बता दें कि आज अनन्या पांडे अपना 30वां बर्थडे सेलीब्रेट कर रही हैं. इस खास मौके पर वॉकर ब्लैंको ने जमाने के सामने अपने दिल की बात बोल दी है. गौरतलब है कि वॉकर ब्लैंको से पहले अनन्या पांडे आदित्य रॉय कपूर को डेट कर रही थीं. इस दौरान अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर को कई बार साथ देखा गया. हालांकि अनन्या पांडे का ये रिश्ता लंबा नहीं चल सका. कुछ समय में ही आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे का ब्रेकअप हो गया. ब्रेकअप के बाद से ही अनन्या पांडे का नाम वॉकर ब्लैंको के साथ जोड़ा जा रहा है. माना जाता है कि वॉकर ब्लैंको की अनन्या पांडे से पहली मुलाकात अनंत अंबानी की शादी में हुई थी. जिसके बाद दोनों ने एक दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया.

अवनीत कौर
की बोल्डनेस के आगे फीकी लगी उर्फी

❐ एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में सीरियल 'मेरी मां' से की थी. इसके बाद वह कई टीवी शोज में नजर आईं. अवनीत के शो 'चंद्र नंदिनी' और 'अलादिन: नाम तो सुना ही होगा' काफी पॉपुलर हुए थे. टीवी के साथ-साथ अवनीत कई सुपरहिट फिल्मों का भी हिस्सा बनीं, जिनमें 'मर्दानी' और 'दोस्त' जैसी फिल्मों के नाम शामिल है. अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, वह अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती हैं. हाल ही में अवनीत ने कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह अपनी बोल्डनेस से फैंस के होश उड़ा रहे हैं. इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने लेपर्ड प्रिंटेड जैकेट पहनी हुई है, इसके साथ उन्होंने ब्राउन कलर की स्कर्ट भी पहनी है. इस फोटो में अवनीत कौर फ्लोर पर लेटकर पोज दे रही हैं. तस्वीर में अवनीत अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस के होश उड़ा रही हैं. इस फोटो में अवनीत कौर कैमरे से तस्वीर खींचती दिख रही हैं. फोटो में अवनीत अपने बालों को संवारती दिख रही हैं. इस आउटफिट में अवनीत कौर अपने लॉन्ग लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं. फोटो में अवनीत अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं. इस आउटफिट के साथ अवनीत कौर ब्राउन कलर के बूट्स पहनें दिख रही हैं. फोटो में अवनीत के पोज पर फैंस लट्टू हो रहे हैं. इन तस्वीर में अवनीत कौर जमीन से अपना पर्स उठाती भी नजर आ रही हैं.

सारा ने किये केदारनाथ के दर्शन

❐ बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने से जुड़े अपडेट अपने तमाम चाहने वाले फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं. अब एक्ट्रेस ने केदारनाथ की यात्रा की और भगवान भोलेनाथ के दर्शन किए हैं. सारा अली खान ने अपनी तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह महादेव की भक्ति में लीन नजर आ रही हैं. उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं जिन्हें उनके फैंस पसंद कर रहे हैं और जमकर रिएक्शन दे रहे हैं. यहां पर आप सारा अली खान की नई तस्वीरें देख सकते हैं. सारा अली खान ने केदारनाथ जाकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन किए हैं. बताते चलें कि वह अक्सर धार्मिक स्थलों पर जाती रहती हैं. सारा अली खान महादेव की भक्ति में लीन दिखीं. एक्ट्रेस के फैंस कहते हैं कि वह भगवान भोलेनाथ की बड़ी भक्त हैं. सारा अली खान ने नंदी के सामने माथा टेककर आशीर्वाद लिया. उनका ये अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है. सारा अली खान ने एक तस्वीर शेयर की है जिसमें वह ध्यान लगाए नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस की तस्वीरों पर फैंस रिएक्शन भी दे रहे हैं. सारा ने साधुओं के साथ फोटो क्लिक करवाईं. सारा अली खान उनके साथ हवन करते नजर आ रही हैं. उन्होंने अलग-अलग स्टाइल में जमकर पोज दिए हैं. सारा अली खान ने पहाड़ों के बीच जमकर मस्ती की.

वैम्पायर बनने चले आयुष्मान-रश्मिका

इस साल 'स्त्री 2' की ब्लॉकबस्टर कामयाबी के बाद फिल्ममेकर दिनेश विजन अपने हॉरर यूनिवर्स को और भी ग्रैंड बनाने जा रहे हैं. पिछले कुछ समय से खबर थी कि आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना अब हॉरर यूनिवर्स की एक फिल्म के लिए साथ आने वाले हैं. इस फिल्म का टाइटल 'वैम्पायर्स ऑफ विजयनगर' बताया जा रहा था. लेकिन लेटेस्ट अनाउंसमेंट से साफ है कि खबर तो सही है, मगर प्रोजेक्ट का टाइटल बदल दिया गया है. मेकर्स ने 'थामा' की अनाउंसमेंट एक खूबसूरत से गाने के साथ की है. फिल्म के टाइटल कार्ड के साथ अमिताभ भट्टाचार्य के खूबसूरत लिरिक्स वाला ये गाना सुनाई देता है. गाने के बीच लिखा आता है, 'इस यूनिवर्स को एक लव स्टोरी की जरूरत थी...'. इसके तुरंत बाद गाने के साथ वैम्पायर्स के चीखने की आवाजें आने लगती हैं और स्क्रीन पर लिखा आता है, 'बदकिस्मती से, ये बहुत खूनी लव स्टोरी है.' वीडियो में फिल्म की मेन कास्ट भी रिवील की गई है, जिसमें आयुष्मान और रश्मिका के साथ-साथ परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी का भी नाम है. बाकी सपोर्टिंग कास्ट का नाम या फिल्म से जुड़ी कोई और डिटेल इसके साथ नहीं शेयर की गई है. 'थामा' को आदित्य सरपोतदार डायरेक्ट करेंगे, जिनकी फिल्म 'मुंज्या' इस साल एक तगड़ी सरप्राइज हिट साबित हुई. 'थामा' की अनाउंसमेंट के साथ मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट भी शिड्यूल कर दी है. वीडियो में ये भी अनाउंस किया गया है कि आयुष्मान और रश्मिका की फिल्म दिवाली 2025 में रिलीज होगी. अगले साल के लिए वैसे तो बॉलीवुड के कई बड़े प्रोजेक्ट्स शिड्यूल हैं, मगर दिवाली अभी तक खाली थी. हालांकि, दिवाली का रिकॉर्ड देखते हुए ये भी हो सकता है कि जल्द ही कोई दूसरी फिल्म भी 'थामा' से टक्कर लेने के लिए दिवाली की रिलीज डेट पर ही शिड्यूल हो जाए. 'स्त्री', ''मुंज्या' और 'भेड़िया' जैसी जबरदस्त हॉरर कॉमेडी कहानियों से धमाल मचा रहे हॉरर यूनिवर्स में अब वैम्पायर्स का आना और भी मजेदार होने वाला है. ऐसे में ये देखना दिलचस्प होगा कि इतने सारे भयानक एलिमेंट्स वाला ये यूनिवर्स और क्या तगड़ा कमाल करता है.

दर्शन थुगुदीपा
को कर्नाटक हाई कोर्ट से मिली जमानत

❐ जानकारी के अनुसार, दर्शन थुगुदीपा ने एक स्पाइन सर्जरी के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट में जमानत की याचिका दी थी. कोर्ट ने प्रशासन को इस मामले में मेडिकल एग्जामिनेशन रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा था. रिपोर्ट में कहा गया है कि दर्शन को उनकी बैक में समस्या के लिए फिजियोथेरेपी या सर्जरी करवानी पड़ सकती है. अपने एक फैन के मर्डर की साजिश में शामिल होने के आरोपी, कन्नड़ फिल्म स्टार दर्शन थुगुदीपा को जमानत मिल गई है. दर्शन को कर्नाटक हाई कोर्ट ने 6 हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी है. बता दें, दर्शन को जून में कर्नाटक पुलिस ने कई अन्य आरोपियों के साथ मर्डर के एक मामले में अरेस्ट किया था. दर्शन को पहले बेंगलुरु जेल में रखा गया था. लेकिन जेल में वी.आई.पी. ट्रीटमेंट मिलने के आरोप के बाद उन्हें बल्लारी जेल में ट्रान्सफर कर दिया गया था.

जानकारी के अनुसार, दर्शन थुगुदीपा ने एक स्पाइन सर्जरी के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट में जमानत की याचिका दी थी. कोर्ट ने प्रशासन को इस मामले में मेडिकल एग्जामिनेशन रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा था. रिपोर्ट में कहा गया है कि दर्शन को उनकी बैक में समस्या के लिए फिजियोथेरेपी या सर्जरी करवानी पड़ सकती है. इसके बाद मेडिकल ग्राउंड्स पर कोर्ट ने दर्शन को 6 हफ्ते के लिए अंतरिम जमानत दी है. इस मामले में दर्शन ने, ट्रायल कोर्ट के उन्हें बेल न देने के फैसले को भी चैलेंज किया है और हाई कोर्ट में रेगुलर बेल के लिए भी एक अर्जी पेंडिंग है. इसपर भी हाई कोर्ट में जल्द ही सुनवाई हो सकती है. 33 साल के ऑटो ड्राइवर रेणुका स्वामी को, 9 जून को किडनैप किया गया था. उसे टॉर्चर करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई. कथित रूप से यह सबकुछ कन्नड़ फिल्म स्टार दर्शन के कहने पर किया गया. बताया गया कि रेणुका स्वामी ने एक्ट्रेस पवित्रा गौड़ा को भद्दे मैसेज भेजे थे, जिन्हें दर्शन का पार्टनर माना जाता है. पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि दर्शन खुद भी रेणुका स्वामी से मारपीट में शामिल थे. इस बीच, बुधवार को दर्शन, पवित्रा और बाकियों की न्यायिक हिरासत 9 सितंबर तक के लिए बढ़ा दी गई है.

रणबीर कपूर ने पूरी की 'रामायण' की शूटिंग

नितेश तिवारी की मोस्ट अवेटेडिट फिल्म रामायण का फैंस दिल थामकर इंतजार कर रहे हैं. फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे और सई पल्लवी के हाथ में माता सीता का रोल लगा है. सेट से दोनों स्टार्स की कुछ फोटोज आ चुकी हैं, जिससे ये तो कंफर्म हो गया था कि फिल्म की शूटिंग काफी भव्य सेट पर हो रही है. वहीं, अब फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है. फिल्म से जुड़ा ये अपडेट इंदिरा कृष्णन ने दिया है, जो फिल्म में माता कौशल्य का रोल निभाती हुई नजर आएंगी. दरअसल, इंदिरा कृष्णन ने जॉइन फिल्म्स के नाम के यूट्यूबर चैनल को एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने फिल्म से जुड़ी ढेर सारी बातें की है. उन्होंने फिल्म की कास्टिंग का भी खुलासा कर दिया. उन्होंने कहा, 'मैं फिल्म रामायण की शूटिंग कर रही हूं और अब तक फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है. इस फिल्म में मेरा कैरेक्टर कौशल्या का है. मैं रणबीर के साथ ये रोल निभा रही हूं. फिल्म में रवि दूबे भी हैं और वो लक्ष्मण का रोल निभा रहे हैं. इस बात में शक नहीं है कि फिल्म 100 प्रतिशत हिट है. मैं तो इसे सुपरहिट कहूंगी. इसके आगे इंदिरा कृष्णन ने कहा कि ऐसा नहीं है कि मैं इस फिल्म के साथ जुड़ी हूं इसलिए हिट होने की बात कर रही हूं. या फिल्म की कास्टिंग बड़ी है. इस फिल्म में अरुण गोविल दशरत के रूप में दिखाई देने वाले हैं. वह वाकई दशरथ जैसे ही दिखते हैं. यह वैसा ही है जैसे वह पुराने समय में राम जैसे दिखते थे. जब हम शूटिंग करते थे तो वह हमेशा उन दिनों को याद करते थे, जब वह रामायण में राम बनते थे. इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में राम का रोल रणबीर कपूर निभा रहे हैं. सीता के रोल में साई पल्लवी नजर आ रही हैं और यश 'रावण' के किरदार में दिखाई देंगे.

'कंगुवा' के एडिटर निषाद यूसुफ की मौत

❐ साउथ सुपरस्टार सूर्या और बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल की पैन इंडिया फिल्म 'कंगुवा' इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई है. 14 नवंबर को रिलीज होने जा रही इस फिल्म का प्रमोशन जोरों पर चल रहा था, लेकिन अब इस फिल्म से जुड़ी एक दुखद खबर आ रही है. 'कंगुवा' के एडिटर निषाद युसूफ का निधन हो गया है. निषाद अभी सिर्फ 43 साल के थे. मलयालम इंडस्ट्री से शुरुआत करने वाले निषाद ने कई चर्चित फिल्मों पर काम किया था. उनके कामों में नेशनल अवॉर्ड विनिंग 'सऊदी वेल्लका', 'चावर', 'थल्लुमला' और 'ऑपरेशन जावा' जैसी फिल्में शामिल हैं. जानकारी के अनुसार निषाद का निधन 30 अक्टूबर की सुबह-सुबह हुआ है. उनकी बॉडी कोच्ची के पनमपल्ली नगर में उनके घर पर, सुबह करीब 2 बजे मिली. पुलिस ने अभी तक ऑफिशियली निषाद के निधन की कोई वजह नहीं बताई है. मामले की जांच की जा रही है. फिल्म एम्प्लॉईज फेडरेशन ऑफ केरला की डायरेक्टर्स यूनियन ने अपने ऑफिशियल फेसबुक पेज पर निषाद के निधन की खबर कन्फर्म की. फिल्म संगठन ने निषाद की तस्वीर शेयर करते हुए मलयालम में लिखा, 'लगातार बदल रहे मलयालम सिनेमा का भविष्य तय करने में बड़ी भूमिका निभा रहे फिल्म एडिटर निषाद युसूफ का अचानक निधन, एक ऐसी घटना है जिसे फिम संसार जल्दी स्वीकार नहीं कर पाएगा. फिल्म एम्प्लॉईज फेडरेशन ऑफ केरला डायरेक्टर्स यूनियन की तरफ से सांत्वनाएं.'

निषाद ने पिछले साल अपने सबसे नाडा प्रोजेक्ट साइन किया था. साउथ स्टार सूर्या और बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल की पैन इंडिया फिल्म 'कंगुवा' को निषाद ही एडिट कर रहे थे. उन्होंने आखिरी तस्वीर 'कंगुवा' के स्टार्स और डायरेक्टर के साथ ही शेयर की थी. तीन दिन पहले निषाद ने 'कंगुवा' के एक्टर्स सूर्या और बॉबी के साथ अपनी तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की थी. एक दूसरी तस्वीर में वो सूर्या और 'कंगुवा' के डायरेक्टर शिवा के साथ नजर आ रहे हैं. उनकी पोस्ट पर फैन्स एक कमेंट्स बता रहे हैं कि ये घटना कितनी शॉकिंग है. एक यूजर ने निषाद की पोस्ट पर लिखा है, 'ये सच हो ही नहीं सकता यार, शॉकिंग. उनकी आत्मा को शांति मिले.' कितने ही लोगों ने उनकी पोस्ट पर टूटे हुए दिल वाले इमोजी के साथ कमेन्ट किया. जबकि इस पोस्ट पर लोगों के कमेंट्स बता रहे हैं कि वो 'कंगुवा' में निषाद का काम देखने के लिए कितने एक्साइटेड थे.

लॉरेंस बिश्नोई' एक्टर की एक्स गर्लफ्रेंड ने फिर उगला जहर

सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड सोमी अली इन दिनों सुर्खियों का हिस्सा बनी हुई हैं. वो सलमान खान को लेकर अक्सर बात करती रहती हैं. एक बार फिर उन्होंने इंटरव्यू में सलमान खान और लॉरेंस बिश्नोई के बारे बात की है. उन्होंने सलमान की तुलना लॉरेंस बिश्नोई से की है.

सोमी अली ने आईएएनएस से खास बातचीत में सलमान खान के साथ अपने रिश्तों और लॉरेंस बिश्नोई समेत अन्य कई मुद्दों पर बात की. सोमी अली से पूछा गया कि सलमान खान अपनी एक्स गर्लफ्रेंड संगीता बिजलानी और कैटरीना कैफ के साथ अच्छे संबंध रखते हैं, लेकिन, उनके साथ नहीं. इस पर उन्होंने कहा, "सलमान ने मेरे साथ जिस तरह से बर्ताव किया, वैसा किसी और के साथ नहीं किया. संगीता और कैटरीना को सलमान ने उतनी बुरी तरह से प्रताड़ित नहीं किया, जितना कि उन्होंने मुझे किया." उन्होंने आगे कहा, "उन्होंने ऐश्वर्या के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया. मुझे लगता है कि उन्होंने ऐश्वर्या के कंधे की हड्डी तोड़ दी थी, लेकिन, मुझे यकीन नहीं है कि उन्होंने कैटरीना के साथ क्या किया. सोमी ने सलमान की तुलना लॉरेंस बिश्नोई से की और कहा कि उन्होंने मेरे साथ जो किया, मैं कह सकती हूं कि लॉरेंस बिश्नोई उनसे बेहतर हैं. उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह सलमान ने उन्हें एक बार पीटा था और उनके घर के नौकर ने दरवाजा खटखटाकर विनती की कि उन्हें ना मारें.

सोमी ने आगे बताया कि एक बार अभिनेत्री तब्बू उनकी हालत देखकर रोई थी. उन्होंने कहा, "मुझे पीठ में बहुत दर्द था और मैं लंबे समय तक बिस्तर पर पड़ी रही. तब्बू मेरी हालत देखकर बहुत रोईं, लेकिन, सलमान उनसे मिलने नहीं आए. उन्होंने यह भी बताया कि उनकी मां और उनके करीबी दोस्तों के अलावा किसी को भी सलमान के साथ उनके व्यवहार के बारे में पूरी जानकारी नहीं है. एक्ट्रेस ने कहा कि वह सलमान के साथ अपने रिश्ते को लेकर एक किताब लिख रही हैं, जिसमें सब कुछ विस्तार से बताया जाएगा. एक्ट्रेस सोमी अली 90 के दशक में बॉलीवुड में एक्टिव थीं. वह लगभग आठ साल तक सलमान खान के साथ रिलेशनशिप में रहीं.

डॉ.आशीष देशमुख ने ग्रामीणों से की बातचीत

सुनील केदार को लेकर लोगों में दिखा गुस्सा

सावनेर/ नागपुर।

कलमेश्वर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी एवं महायुति के आधिकारिक प्रत्याशी डॉ.आशीष देशमुख बुधवार को गोंडखैरी जिला. मंडल का गहन भ्रमण किया. उन्होंने बेलोरी और गोंडखैरी के बीच लगभग 25 गांवों में पदयात्रा के माध्यम से नागरिकों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं जानीं. इस दौरान नागरिकों ने भी कई समस्याएं उठाईं. सावनेर-कलमेश्वर क्षेत्र विकास से कोसों दूर और समस्याओं का घर है, नागरिकों ने यह बात डॉ.देशमुख से बातचीत के दौरान व्यक्त की. डॉ.देशमुख ने कहा कि सावनेर-कलमेश्वर क्षेत्र का पिछले 30 वर्षों से विकास नहीं हुआ है और लोगों में असंतोष है. इस क्षेत्र में एक भी कृषि आधारित परियोजना नहीं आई है, इसलिए किसान नाखुश हैं और स्थानीय युवा बेरोजगार हैं. इसके लिए कांग्रेस के सुनील केदार जिम्मेदार हैं. वरिष्ठ मंत्री पद पर रहने के बावजूद कांग्रेस विधायकों ने इस क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं किया है. इस क्षेत्र में विकास की बाढ़ आ गई है. लोग कांग्रेस और सुनील केदार के जुल्म से तंग आ चुके हैं.

सुनील केदार द्वारा नागपुर जिला केंद्रीय सहकारी बैंक में 153 करोड़ का बड़ा घोटाला किया गया था. कोर्ट ने उन्हें सजा सुनाई. अब वे चुनाव भी नहीं लड़ सकते. हमारी भाजपा और महायुति की सरकार लड़की बहिन योजना के तहत इस राज्य की महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह दे रही है. हमारी सरकार लखपति दीदी योजना, प्रति वर्ष 3 गैस सिलेंडर मुफ्त, महिलाओं के लिए आधे किराए पर एसटी यात्रा, लड़कियों के लिए मुफ्त उच्च शिक्षा जैसी कई योजनाओं के

माध्यम से महिला सशक्तिकरण का काम कर रही है.

हमारी सरकार ने लाखों-करोड़ों किसानों का बिजली पंप का बिल माफ किया है. हमारी सरकार किसानों के लिए एक रुपये का फसल बीमा, किसान सम्मान निधि और किसानों को 10 हजार रुपये सब्सिडी जैसी कई योजनाएं लेकर आई है. इन सभी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएं. अगर मौका मिला तो मैं इस क्षेत्र को जरूर बदल दूंगा। इस चुनाव के बाद महाराष्ट्र में फिर से बीजेपी और महागठबंधन की सरकार आएगी और सावनेर- कलमेश्वर क्षेत्र में भी बदलाव की जरूरत है. उन्होंने नागरिकों को आश्वासन दिया कि निर्वाचित होने के बाद वह स्थानीय समस्याओं का उचित तरीके से और इस तरह समाधान करेंगे जिससे सभी संतुष्ट होंगे. इस मौके पर भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ.राजीव पोद्दार, मनोहर कुंभारे समेत कई भाजपा पदाधिकारी अभियान में शामिल हुए. उन्होंने नागरिकों से देशमुख को चुनने का अनुरोध किया. पूरे अभियान के दौरान भाजपा कार्यकर्ता जोश से भरे रहे. इसके साथ ही डॉ.आयुश्री आशीष देशमुख ने भी खापा और बड़ेगांव में जबरदस्त जनसंपर्क किया. उन्होंने महिलाओं के हित के लिए महायुति सरकार की कई योजनाओं के बारे में बताया. इस समय उन्होंने नागरिकों से कांग्रेस का एकाधिकार समाप्त कर भाजपा के डॉ.आशीष देशमुख को चुनने की अपील की.

राहुल गांधी नागपुर से शुरू करेंगे प्रचार अभियान

नागपुर। नागपुर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी नागपुर से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंकेंगे. विदर्भ कांग्रेस का गढ़ है. कांग्रेस ने इसी क्षेत्र पर फोकस किया है. इसलिए राहुल गांधी भी विदर्भ में अपना प्रचार अभियान नागपुर से शुरू करेंगे. वे 6 नवंबर को नागपुर में आयोजित संविधान सम्मान सम्मेलन में हिस्सा लेंगे. कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी 6 नवंबर को महाराष्ट्र दौरे पर आ रहे हैं. सुबह नागपुर में संविधान सम्मान सभा का आयोजन किया गया है और शाम को मुंबई के बीकेसी में महाविकास 'अघाड़ी की गारंटी' की घोषणा की जाएगी. नाना पटोले ने बताया कि इस कार्यक्रम में एनसीपी अध्यक्ष सांसद शरद पवार और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे शामिल होंगे. कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में संविधान और आरक्षण की रक्षा के मुद्दे पर प्रचार किया था. इस चुनाव में कांग्रेस ने महाराष्ट्र में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है. विधानसभा चुनाव में भी इसी मुद्दे पर चर्चा होगी. कांग्रेस इसके लिए प्रयास कर रही है. उसी प्रयास के तहत संविधान सम्मान सभा आयोजित कर समाज के बुद्धिजीवियों से अपील की जायेगी. डॉ.बाबासाहब आंबेडकर ने संविधान निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाई. इसीलिए उन्हें संविधान निर्माता कहा जाता है. डॉ.बाबासाहब अम्बेडकर ने नागपुर में धम्मदीक्षा ली. उस संबंध में नागपुर शहर के उनके जीवन में डॉ.आंबेडकर का एक अलग स्थान है. इन सभी मामलों को देखते हुए कहा जा रहा है कि कांग्रेस ने संविधान सम्मान सम्मेलन के जरिए चुनाव प्रचार का नारियल फोड़ने का फैसला किया है.

बदलेगा रामटेक का सियासी खेल!

> स्वतंत्र मैदान में किशोर बेलसरे

कन्हान/ नागपुर।

रामटेक विधानसभा क्षेत्र में आगामी चुनाव के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण विकास हुआ है. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नागपुर जिला ग्रामीण कार्याध्यक्ष किशोर मनोहरराव बेलसरे ने अपनी स्वतंत्र उम्मीदवारी दाखिल की है. उन्होंने अपनी उम्मीदवारी का ऐलान कर राजनीतिक गलियारे में हलचल मचा दी है. किशोर बेलसरे ने कहा है कि उनकी उम्मीदवारी लोगों के विश्वास पर आधारित है.

एनसीपी के शरद पवार गुट में महत्वपूर्ण योगदान देने के बाद, किशोर बेलसरे ने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला किया. बताया जा रहा है कि उनका यह फैसला पार्टी की नीतियों पर असहमति के कुछ बिंदुओं पर आधारित है. किशोर बेलसरे की उम्मीदवारी से रामटेक विधानसभा में विकास के मुद्दों पर व्यापक चर्चा की संभावना बढ़ गई है.

'एक वोट से फर्क पड़ता है' के माध्यम से मतदाता जागरूकता

नागपूर।

मतदाताओं के मन में राष्ट्रीय कर्तव्य की भावना पैदा करने और 20 नवंबर को अधिक से अधिक संख्या में घर से निकलकर लोकतंत्र के उत्सव में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सैकड़ों नागरिकों ने फ़्लैश के माध्यम से मतदान जागरूकता की शपथ ली। नगर पालिका द्वारा स्वीप के तहत आयोजित भीड़ ने "एक वोट से फर्क पड़ेगा" कहकर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदान करने का आह्वान किया।

व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी यानी 'स्वीप' कार्यक्रम के तहत, नागपुर नगर निगम ने बुधवार सुबह मेडिकल चौक पर वीआर नागपुर में मतदाता जागरूकता के लिए एक फ्लैश मॉब और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया।

इस अवसर पर नागपुर

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. विनायक महामुनि, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री. अजय चारथनकर, उपायुक्त डॉ.रंजना लाडे, परिवहन प्रबंधक विनोद जाधव, सहायक आयुक्त श्री. प्रमोद वानखेड़े, श्री. -घनश्याम पंधारे, सहायक अधीक्षक राजकुमार मेश्राम, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मनीष सोनी, खेल अधिकारी पीयूष अम्बुलकर सहित नगर निगम एवं जिला परिषद के अधिकारी, कर्मचारी एवं नगर निगम स्कूलों के विद्यार्थी मुख्य रूप से उपस्थित थे. इस समय अपर आयुक्त श्री. अजय चारथंकर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नागपुर जिला परिषद श्री. नगर पालिका ने विनायक महामुनि का मन दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया. नागपुर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनायक महामुनि ने, जबकि नागपुर जैसे सांस्कृतिक शहर में कम मतदान चिंता का विषय है, नागरिकों से अपना राजनीतिक कर्तव्य निभाने, अधिक वोट डालने और दूसरों को भी वोट देने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की. इस अवसर पर मनपा के जनसंपर्क अधिकारी मनीष सोनी ने उपस्थित लोगों को मतदान की शपथ दिलाई. सैकड़ों नागरिकों ने एक सुर में शपथ ली कि वे मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे.

मतदाता जनजागृति रंगोली निकालकर जीते पुरस्कार

नागपूर। विधानसभा चुनाव में नागपुर शहर के नागरिक अधिक से अधिक मतदान करें इसके लिए जनजागरण के लिए नागपुर नगर निगम द्वारा विभिन्न अभियान चलाये जा रहे हैं. नागपुर शहर में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के 'व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी' यानी स्वीप कार्यक्रम के तहत शहर में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है. नगर निगम आयुक्त डॉ.अभिजीत चौधरी के मार्गदर्शन में दिवाली पर शहर में 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक एक अभिनव प्रतियोगिता महा रंगोली का आयोजन किया गया है. इस प्रतियोगिता के तहत, प्रतियोगियों को 1 नवंबर 2024 को दिवाली पर अपने घर पर बनाई गई रंगोली की एक तस्वीर जमा करनी होगी. मेरी राय मेरा अधिकार या मेरा मत मेरा अधिकार या मेरा वोट मेरा अधिकार लिखकर नगर पालिका की ईमेल आईडी illionnmc2017@gmail.com या नगर पालिका द्वारा जारी क्यूआर कोड पर भेजा जाना है। सबसे अच्छा मतदाता जागरूकता संदेश देने वाली रंगोली को विजेता चुना जाएगा. विजेता प्रतियोगी को नगर पालिका की ओर से आकर्षक पुरस्कार भी दिया जाएगा. उपायुक्त एवं सहायक नोडल अधिकारी (स्वीप) ने नागपुर के अधिक से अधिक लोगों से महा रंगोली-महा रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेने और नागरिकों को मतदान के प्रति जागरूक करने का आह्वान रंजना लाडे द्वारा किया गया.

ईसासनी टेकड़ी दरगाह परिसर में बनेगा ऑक्सीजन व पंछी पार्क

नागपुर.

हम सभी जानते हैं कि आज पर्यावरण की स्थिति किस तरह से बदल रही है पर्यावरण में बदलाव, पिघलते हुए ग्लेशियर, वृक्षों से भरे जंगल काटना, मीठे पानी की किल्लत, और पशु-पक्षियों की लुप्त होती प्रजातिया, बहुमूल्य औषधीयो की लुप्त होती प्रजातियां पर्यावरण की असंख्य लुप्त होती प्रजातियां और इसके जिम्मेदार सिर्फ हम इंसान हैं प्रकृति ने अपना संतुलन बराबर रखा है लेकिन हमारी मानव जाति प्रकृति के संतुलन को असंतुलित कर रही है. इस संख्या कारणों को इस छोटे से कागज के टुकड़े में बताना संभव है. दरगाह हज़रत बाबा आशिक़ शाह माशुक़ शाह ईसाशाह वली दरगाह मस्जिद कमेटी ईसासनी द्वारा संचालित "एक पहल पर्यावरण की ओर" पर्यावरण समिति का 27 अक्टूबर इतवार को विस्तार किया गया. पर्यावरण समिति ने बताया की दरगाह परिसर में पिछले कई वर्षों से वृक्षारोपण का अभियान चलाया जा रहा है ईशा ईसासनी ग्राम पंचायत द्वारा भी वृक्षारोपण किया सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र व महिला बटालियन 213 नागपुर द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया प्रियदर्शनी कॉलेज द्वारा व दरगाह में आने वाले भाविक भक्तों द्वारा भी हर साल वृक्षारोपण का विशाल कार्यक्रम किया जाता है. मार्गदर्शक वृक्ष प्रेमी बाबा देशपांडे जी इनकी अध्यक्षता में और फैजाने ताजुल औलिया ओल्ड एज होम के संस्थापक जनाब बदरूदुजा इरशाद साहब और दरगाह कमेटी व नागरिकों की उपस्थिति में ग्राम पंचायत ईसासनी के सरपंच अरविंद ढोणे ने अध्यक्ष पद स्वीकार किया .

गरीब बच्चों को वितरित किया उपहार

सौंसर.

विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खांडसिवनी में माई चिल्ड्रेन वेलफेयर फाउंडेशन सौसर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अनेक गांवों के बच्चों को उपहार वितरित किए गए। खांडसिवनी शाला परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में मेढीपठार, बरगाबोड़ी, हरणबेरडी आदि गांवों के बच्चों को उपहार दिए गए। संस्था प्रतिवर्ष दीपावली के शुभ अवसर पर अनाथ और गरीब बच्चों को नए कपड़े, मिठाई के बॉक्स, नमकीन, और पढ़ाई के लिए आवश्यक स्टेशनरी वितरित करती है। इस सामाजिक कार्य की सराहना करते हुए सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

बढ़े हुए बिजली बिलों और समर्थन मूल्य की मांग को लेकर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

सौसर.

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सौसर ने आज क्षेत्रीय विधायक विजय चौरे के नेतृत्व में किसानों के साथ मिलकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सौसर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि विद्युत विभाग द्वारा कृषि पंप एवं घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली बिल में की गई 3 गुना वृद्धि को तत्काल वापस लिया जाए। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि क्षेत्र के किसानों में विद्युत विभाग की इस वृद्धि से आक्रोश है, क्योंकि 3 एचपी के पंपों का उपयोग कर रहे कृषकों को भी 5 एचपी की दर से बढ़े हुए बिलों का नोटिस भेजा जा रहा है। किसानों का कहना है कि उन्हें बढ़े हुए बिलों के भुगतान की नोटिस से आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने मांग की कि नए टीसी कनेक्शन को पूर्व की दरों पर ही जारी किया जाए।

नागपुर पांच विस क्षेत्रों के लिए वैध नामांकित उम्मीदवारों की सूची घोषित

नागपुर। नागपुर शहर के पांच विधानसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव विभाग से प्राप्त वैध नामांकित उम्मीदवारों की सूची घोषित की गयी है.

52-नागपुर दक्षिण पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में 13 नामांकन पत्र वैध पाए गए है। इसमें देवेन्द्र गंगाधर फड़नवीस (भारतीय जनता पार्टी), प्रफुल्ल विनोदराव गुडधे (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस), सुरेंद्र श्रवण डोंगरे (बहुजन समाज पार्टी), उषा मारोटाराव ढोक (अखिल भारतीय परिवार पार्टी), ओपुल रामदास तामगाडगे (पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) शामिल हैं।), पंकज माणिकराव सुंदरकर (भीमसेना), मारोती सीताराम वानखेड़े (बहुजन रिपब्लिकन सोशलिस्ट पार्टी), विनय भांगे (वंचित बहुजन अघाड़ी), विनायक भाऊराव अवचट (विकास इंडिया पार्टी), नितिन विश्वास गायकवाड़ (निर्दलीय), महमूद खान (स्वतंत्र), विनोद ताराचंद मेश्राम (निर्दलीय) और सचिन रामकृष्ण राव वाघाड़े (निर्दलीय) का समावेश है.

नागपुर पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से 54-23 नामांकन पत्र वैध घोषित किये गये। इसमें अजय तुकाराम मारोडे (महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना), कृष्णा पंचमजी खोपडे (भारतीय जनता पार्टी), दुनेश्वर सूर्यभान पेठे (राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार), मुकेश मधुकर मेश्राम (बहुजन समाज पार्टी), गणेश ईश्वरजी हरकंडे (वंचित बहुजन आघाडी), चंदन शेषराव बागडे (भारतीय युवा जन एकता पक्ष), टेकराज उर्फ विक्की शिवराम बेलखोडे (बहुजन मुक्ती पार्टी), तारेश गजानन दुरुगकर (देश जनहित पार्टी), नुश्यान घनश्याम हुमणे (पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक)), मुकेश धोंडबाजीराव मासुरकर (जय विदर्भ पार्टी), अधिवक्ता शाकिर अगफफार (भीम सेना), ॲडव्होकेट सूरज बलराम मिश्रा (ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक), आभा विजयकुमार पांडे (अपक्ष), अंकुश तुकाराम भोवते (अपक्ष), कमलेश हरिचंद नागपाल (अपक्ष), तानाजी सुकलाजी वनवे (अपक्ष),, पुरुषोत्तम नागोराव हजारे (अपक्ष), प्रकाश दुलीचंद सोनटक्के (अपक्ष), महादेव मुलचंद पटले (अपक्ष), सहदेव भिमराव गोसावी (अपक्ष), सागर दामोधर लोखंडे (अपक्ष), सुफियान मोसिद्धीक (अपक्ष), संगीता महेश तलमले (अपक्ष) का समावेश है.

नागपुर मध्य निर्वाचन क्षेत्र से 55-33 नामांकन पत्र वैध हो गए। इनमें ऋषिकेश (बंटी) नारायण शेळके (इंडियन नॅशनल काँग्रेस पार्टी), प्रविण प्रभाकरराव दटके (भारतीय जनता पार्टी), मिलिंद जगन गजभिये (बहुजन समाज पार्टी), धर्मेंद्र वासुदेव मंडलिक (पराते) -(देश जनहीत पार्टी), मोहम्मद इमरान मोहम्मद हरुन कुरेशी (विकास इंडीया पार्टी), शिवकाली प्रसाद कटारी (अखिल भारतीय परीवार पार्टी), असलम खान रशीद खान (इंडियन युनियन मुस्लिम लीग), ॲडव्होकेट सूरज बलराम मिश्रा (ऑल इंडीया फॉरवर्ड ब्लॉक), आशीष शंकरराव मोहाडीकर (कुणबी बहुजन स्वराज्य पार्टी), संदीप मधुबाला अग्रवाल (भिमसेना), प्रफुल हेमराज बोकडे (अपक्ष), हरीश्चंद्र चंद्रभान वेळेकर (अपक्ष), दिपक मनोहरराव देवघरे (अपक्ष), किशोर श्यामसुंदर समुंद्रे (अपक्ष), अशोक आनंदराव धापोडकर (अपक्ष), साहील बालचंद तुरकर (अपक्ष), कैलाश नत्थुजी वाघमारे (अपक्ष), रमेश गणपती पुणेकर (अपक्ष), मुकेश अनेकलाल गंगोत्री (अपक्ष), राजेश शिवशंकर धकाते (अपक्ष), संजय रामराव हेडाऊ (अपक्ष), हाजी मोहम्मद कलाम (अपक्ष), धीरज भोजराज गजभिये (अपक्ष), गंगाधर नागोराव पाठराबे (अपक्ष), मोहम्मद शकिल मोहम्मद वकील खान (अपक्ष), दिपक गजानन उमरेडकर (अपक्ष), सय्यद सुफियान (अपक्ष), जुल्फेकार अहमद अंसारी (अपक्ष), विनायक माधोराव पराते (पट्टीवाले) - (अपक्ष), गुलाब मंसाराम साहु (अपक्ष), शकील अहमद (अपक्ष), इरफान अहमद (अपक्ष), राजकुमार गयाप्रसाद शाहू (अपक्ष) का समावेश आहे.

56-नागपूर पश्चिम से प्रकाश बुधाजी गजभिये (बहुजन समाज पार्टी), विकास पांडूरंग ठाकरे (इंडियन नॅशनल काँग्रेस), सुधाकर विठ्ठलराव कोहळे (भारतीय जनता पार्टी), अरुण यशवंतराव भगत (जन जनवादी पार्टी), डॉ.विनोद मारोती रंगारी (बहुजन रिपब्लिकन सोशलिस्ट पार्टी), नर्मदा प्रेमलाल चरोटे (सोशलिस्ट युनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट/SUCI-C)), निलेश महादेव ढोके (देश जनहित पार्टी), मनोज रामदास गौरखेडे (भारतीय युवाजन एकता पार्टी), यश सुधाकर गौरखेडे (वंचित बहुजन पार्टी), यशवंत हनुमान तेलंग (भीम सेना), अनिल अवचितराव बरडे (अपक्ष), अलका प्रशांत पोपटकर (अपक्ष), आदर्श रविशंकर ठाकूर (अपक्ष), ॲड. धीरज श्यामराव पाझारे (अपक्ष), नरेश वामनराव बरडे (अपक्ष), प्रमोद रघुनाथ बावने (अपक्ष), राजेंद्र बाबुलाल तिवारी (अपक्ष), राजेश जानराव गोपाळे (अपक्ष), विनील रमेश चौरसिया (अपक्ष), सुवास दिवाकर राऊळकर (अपक्ष), हबीब बेग (राजा बेग) (अपक्ष), हेमंत ब्रिजेश पांडे (अपक्ष) का समावेश आहे.

57- नागपूर उत्तर (अ.जा.) से मतदारसंघातून 30 नामनिर्देशनपत्रे वैध ठरली. डॉ. नितीन काशीनाथ राऊत (भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस), मनोज दशरथ सांगोळे (बहुजन समाज पार्टी), डॉ. मिलिंद पांडूरंग माने (भारतीय जनता पार्टी), अमोक खुशाल नगरारे (मेरा अधीकार राष्ट्रीय दल), किर्ती दिपक डोंगरे (ऑल इंडिया मजलीस- ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन), कुणाल प्रेमानंद जनबंधु (मायनॉरिटीज डेमॉक्रॅटीक पार्टी) गिरीश राखडू सहारे (बळीराजा पार्टी), गुणवंत हरिचंद्र सोमकुंवर (भीम सेना), चंद्रकांत प्रल्हाद रामटेके (रिपब्लिकन पक्ष- खोरिप), ॲड. त्रिशील विजय खोब्रागडे (आंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया), मुरलीधर काशीनाथ मेश्राम (वंचित बहूजन आघाडी), प्रगती इंदलकुमार गौरखेडे (जय विदर्भ पार्टी), पंजाबराव गुजाराम मेश्राम (बहुजन रिपब्लीकन सोशालिस्ट), सुधीर दयानंद पाटील (देश जनहित पार्टी), संतोष तुळशिराम चव्हान (विकास इंडीया पार्टी), अतुलकुमार दादा खोब्रागडे (अपक्ष), अथांग अनिल करोडे (अपक्ष), अनिल पांडुरंग वासनिक (अपक्ष), ॲड. अश्वीन विनायक जवादे (अपक्ष), अशोक महादेव वाघमारे (अपक्ष), डॉ.कुणाल ढोके (अपक्ष), प्रविण महादेवराव पाटील (अपक्ष), महेंद्र तुळशीराम भांगे (अपक्ष), रमेश बाबूराव फुले (अपक्ष), रमेश श्यामरावजी वानखेडे (अपक्ष), विश्वास चंद्रभान पाटील (अपक्ष), श्रीधर भोजराज तागडे (अपक्ष), सुनिल काशीनाथ मेश्राम (अपक्ष), संघपाल हरीष उपरे (अपक्ष) और हरीश छोटेलाल नक्के (अपक्ष) यांचा समावेश है.

सत्येन्द्र वाणी (हिन्दी दैनिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सत्येन्द्र पटेल द्वारा साई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन, कैसरबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं ग्राम- कंजा खेड़ा, पोस्ट ऐन, बाना अन्वरा, लखनऊ (उप्र) से प्रकाशित।
निवासी संपादक : श्री सुधींद्र मोहन माथुर पता : हाउस नंबर 97 स्वावलंबी नगर, गृह निर्माण सोसाइटी, मंदिर के पास, राणा प्रताप नगर नागपुर, महाराष्ट्र 440022
Address: VINDHYESHVARI URBAN NIDHI LIMITED, Plot no.1, 3rd floor, Beside Harihar building, Beltarodi market square, Nagpur- 440015.Office No. 7028351665
satyendravaninews@gmail.com संपादक : सत्येन्द्र पटेल निवासी संपादक : श्री सुधींद्र मोहन माथुर